साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 22 दिसंबर से 28 दिसंबर 2025
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 03 में...
साइबर अपराधियों का अंतरराज्यीय नेटवर्क ध्वस्त

पेज 12 में...
ये है सेवा और समर्पण

वर्ष : 01 अंक : 42 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 08 कांग्रेस सांसद सेंथिल ने किया मोदी शाह पर पलटवार

मोहन क्यों बन रहा माइकल ?

धर्मांतरण से बढ़ता तनाव, असंतोष, आक्रोश और हिंसा

60 दिनों में सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून बनाने वाले गुमसुम

विकास की ओर बढ़ रहे बस्तर को अशांत करने की साजिश

कांकेर में बड़े तेवड़ा हिंसा राजनीतिक या प्रशासनिक लापरवाही

नक्सलवाद के बाद अब वनवासी नस्लवाद से ख़ौफ़ज़दा

एक वक्त था जब लाल आतंक यानि कि नक्सलवाद से ख़ौफ़ज़दा वनवासी घर छोड़कर शहरों और कस्बों के लिए पलायन करने मजबूर थे। अब नक्सलवाद ख़त्म होने को है तो इससे ज्यादा बड़ा खतरा इन्हीं भोले-भले आदिवासियों को नस्लवाद से है। नक्सलवाद के बाद नस्लवाद के तहत बस्तर में वन पुत्रों पर जो कहर बरपाया जा रहा है दोनों ही मामलों में शासन-प्रशासन ही इन सब के लिए जिम्मेदार है। मुद्दे से मुंह मोड़े बैठे जिम्मेदार इससे भविष्य में क्या लाभ उठाना चाह रहे इसका जवाब वक्त के गर्त में है। लेकिन मामला अब हिंसक और दुर्दांत होने लगा है। अपनी ही जमीन में दफ़्न होने वाले को दो गज़ जमीन भी मयस्सर नहीं अब बस्तर में। यह विडंबना ही है कि हमारी सनातनी परंपरा अब विश्व बंधुत्व को भुलाकर नस्लवाद के जंजाल में फंस गई है। खतरनाक ढंग से बढ़ रहे इस नस्लवाद के खतरे को धर्मांतरण का चोला पहना कर पेश करने वाले यह भूल रहे हैं कि अखिलकर क्यों दबे, कुचले और दलित वर्ग आखिरकार क्यों दूसरे धर्म के विश्वासी बनते जा रहे हैं?

शहरसत्ता टीम

शहर सत्ता/रायपुर। एक तरफ राज्य सरकार बस्तर के आदिवासी और उनकी परंपरा को याद रखने के लिए करोड़ों रूपये खर्च कर संग्राहलय और बनावटी मूर्तियां बना कर खुद की पीठ थपथपाती दिख रही है। अगर इतना खर्च उनके जान-माल और रीती-रिवाजों की हिफाजत में करे तो उत्तर बस्तर और दक्षिण बस्तर में नस्लवादी हिंसा से उन्हें बचाया जा सकता है। कांकेर के आमाबेड़ा इलाके की ग्राम पंचायत बड़ेतेवड़ा हिंसा ने प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। नक्सलवाद का ख़ात्मा होने को है और छत्तीसगढ़ में नस्लवाद एक बड़े खतरे के तौर पर पैदा हो गया है। खासकर बस्तर में यह नस्लवाद इतना हिंसक और दुर्दांत हो चला है कि चर्च धूं धूं कर जल रहे हैं और विश्वासी जंगलों में शरण लेने लगे हैं।

बड़े तेवड़ा गांव में सरपंच ने अपने पिता के शव को बाड़ी में दफनाया। इसके बाद विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। 3 दिनों तक चले तनाव में आदिवासी और मसीही समुदाय आमने-सामने आ गए। हालात यहां तक बिगड़े कि आमाबेड़ा और बड़े तेवड़ा इलाके में बने 3 चर्च और प्रार्थना भवनों में आगजनी, पत्थरबाजी और तोड़फोड़ हुई। हिंसा की चपेट में सिर्फ दोनों पक्षों के ग्रामीण ही नहीं आए, बल्कि हालात संभालने पहुंची पुलिस भी निशाने पर रही। इस दौरान एडिशनल एसपी, डीआईजी, एसआई, एएसआई समेत 25 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

कांकेर के आमाबेड़ा के ग्राम बड़े तेवड़ा का मामला

कांकेर के आमाबेड़ा इलाके की ग्राम पंचायत बड़ेतेवड़ा में धर्मांतरित सरपंच के पिता के शव को गांव के खेत में दफनाने से उपजा विवाद हिंसक हो गया। लोगों ने सरपंच के घर के प्राथना भवन और तीन चर्च में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे/पत्थर चले। 25 लोग घायल बताए जा रहे है इनमे कुछ की हालत गंभीर बानी हुई है। जिनमें से 9 लोगों को कांकेर रेफर किया गया है। सोमवार से चल रहे शव दफनाने के विवाद ने कल हिंसक रूप ले लिया था। हिंसा में अंतागढ़ एएसपी समेत दो जवान भी बुरी तरह घायल हुए। दफनाए हुए शव को निकाल कर बाहर भेजा गया। गांव में भारी फोर्स तैनात की गई है।

शाह और साय के बस्तर में हिंसा बेलगाम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा के अलावा देश के गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों से जिस बस्तर से लाल आतंक का खत्म होने का दावा किया जा रहा है, वहीं नक्सलवाद से बड़ा खतरा नस्लवाद के तौर पर उपज गया है। धर्मांध इतने बेलगाम, दुर्दांत हो गए हैं कि कब्रों से शव को उखाड़ने,चर्च तोड़ने-जलाने और विश्वासियों को जंगलो में जान बचाकर भागने की घटना भयानक रूप ले ली है। केंद्र और राज्य सरकार के आदर्श विकास की धूरी बने बस्तर में इस तरह की हिंसा को रोकने में शासन और प्रशासन आखिरकार क्यों नाकाम हो रहा है यह चर्चा का विषय है।

शव दफनाने को लेकर 2 पक्षों में हुए विवाद के बाद भीड़ ने चर्च में आग लगा दी थी।

प्रभावित गांवों में भारी संख्या में फोर्स तैनात है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

बघेल से लेकर साय सरकार तक बढ़ा कास्ट अटैक

ये पहला मामला नहीं है शव दफनाने को लेकर जब हिंसा और विवाद हुआ है। पिछली भूपेश सरकार में भी ऐसे मामले सामने आए थे तब विपक्ष में रही भाजपा इस पर जमकर हंगामा मचाती रही और धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून बनाने की घोषणा भी करती रही। धर्मांतरण चुनावी मुद्दा भी रहा और सरकार बनते ही घोषणा भी हुई कि 60 दिनों के भीतर सख्त धर्मांतरण कानून लाया जाएगा। अब दो साल पूरे हो चुके है धर्मांतरण कानून का अता पता नहीं है। कांकेर समेत पूरे बस्तर में धर्मांतरण का विवाद अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य ये है कि बस्तर क्षेत्र में धर्मांतरण ने राज्य बनने के बाद ही तेजी पकड़ी है।

प्रशासन-पुलिस के पास कोई SOP नहीं

- शव दफनाने जैसे संवेदनशील मामलों के लिए कोई तय SOP नहीं
- पुलिस और प्रशासन को मौके पर ही फैसले लेने पड़े
- अलग-अलग स्तर पर अलग निर्देश, जिससे भ्रम की स्थिति बनी
- शुरुआती स्तर पर स्पष्ट प्रक्रिया नहीं, विवाद बढ़ता चला गया
- हालात काबू में लाने के लिए अतिरिक्त फोर्स, नाकेबंदी और फ्लैग मार्च
- तय गाइडलाइन न होने से समय रहते तनाव नहीं रोका जा सका

आदिवासी समाज के लोगों ने गांव में इस तरह का बोर्ड लगाया है।

विवाद-झड़प के बाद कई लोग गांव छोड़कर चले गए हैं। खुले में घर में किचन का सामान बिखरा पड़ा था।

मसीही विश्वासियों की आंखों में अब भी है हिंसा का खौफ

बड़े तेवड़ा और आमाबेड़ा में हुई हिंसा से डरकर आसपास के गांवों में रहने वाले मसीही समाज के कई लोग जंगल में छिप गए थे। भर्री टोला में रहने वाली रजाय वट्टी अपना घर छोड़कर फिलहाल कुरुटोला में रह रही है। रजाय वट्टी ने बताया कि हिंसा वाले दिन जब तेज आवाजें आने लगीं, तब वह अपने बच्चे को लेकर घर से बाहर निकल गई। आसपास सुरक्षित जगह नहीं थी, इसलिए जंगल में ही छिप गई। रात आठ बजे तक वहीं रही, फिर कुरुटोला आकर शरण ली।

सरपंच का परिवार अंडरग्राउंड

करीब 900 की आबादी वाले इस गांव में छह टोला हैं। यहां लगभग 26 परिवार ऐसे हैं, जो प्रभु यीशु को मानने वाले बताए जा रहे हैं, जबकि गांव का बड़ा हिस्सा आज भी अपने पारंपरिक आदिवासी देवी-देवताओं की पूजा करता है। हिंसा के बाद गांव के सरपंच रजमन सलाम का पूरा परिवार गांव छोड़ चुका है। उनके घर में ताला लगा हुआ है। बाड़ी में जिस जगह दो दिन पहले रजमन सलाम के पिता चमरा राम सलाम का शव दफनाया गया था, वहां अब गड्ढा भर दिया गया है। लेकिन मिट्टी और मुरूम का रंग और निशान साफ बता रहे हैं कि यहीं से शव निकाला गया था।

छत्तीसगढ़ में शव दफनाने को लेकर आदिवासी-ईसाई विवाद

अक्टूबर 2022
खालेबेड़ी कोंडागांव में महिला की मौत ईसाई धर्म अपनाने वाली आदिवासी के बाद गांव में शव दफनाने का विरोध। गांव में तनाव, पुलिस-प्रशासन ने हस्तक्षेप किया

नवंबर 2022
कांकेर-कुरुटोला में आदिवासी महिला की मौत के बाद धर्म परिवर्तन को लेकर शव दफनाने पर विवाद। पुलिस की मौजूदगी में मामला शांत कराया गया

मार्च 2023
बस्तर-(ग्रामीण इलाका) मे ईसाई समुदाय की महिला के शव को गांव में दफनाने पर विरोध, झड़प पत्थरबाजी। पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा, शव पुलिस सुरक्षा में दफनाया गया।

अप्रैल 2024
बस्तर-कोडेनार छिंदबहारा में गांव वालों ने ईसाई परिवार को गांव में शव दफनाने से रोका। शव को मेडिकल कॉलेज के मर्क्युरी में रखा गया।

जनवरी 2025
बस्तर-दरभा क्षेत्र में पादरी सुभाष बघेल की मौत, गांव में दफनाने से रोक। मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

जनवरी 2025
शव दफन विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई। सुप्रीम कोर्ट ने गांव के बजाय नजदीकी ईसाई कब्रिस्तान में दफन का आदेश दिया।

2023-2024 (लगातार)
नारायणपुर, सुकमा, कांकेर के कई गांवों में ईसाई आदिवासियों को गांव के कब्रिस्तान में दफन से रोका गया। अधिकतर मामलों में शव दूसरे गांव कब्रिस्तान में ले जाना पड़ा।

2025 (हालिया)
कांकेर-आमाबेड़ा क्षेत्र में शव दफनाने को लेकर आदिवासी और ईसाई समुदाय आमने-सामने, मारपीट। पुलिस बल तैनात, गांव में तनाव, जांच जारी।

ईसाई समाज जाएगा सुप्रीम कोर्ट

पादरियों और धर्मांतरित ईसाइयों के बैन लगाने के विरोध में कांकेर मसीही समाज प्रमुख दिग्बल तांडी और नरेंद्र भवानी ने ग्राम सभा के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। पीआईएल खारिज होने के बाद तांडी ने कहा है कि वे इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं।

- छत्तीसगढ़ में 4 साल में धर्मांतरण-मतांतरण के 102 केस:कोरबा-बलरामपुर में सबसे ज्यादा विवाद, 44 FIR, इनमें 23 बीते एक साल में दर्ज हुई।
- छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण-मतांतरण पर हिंदू और ईसाई समाज में टकराव के हालात हैं। 25 जुलाई को दुर्ग रेलवे स्टेशन से 2 मिशनरी सिस्टर्स की गिरफ्तारी हुई। ये मुद्दा लोकसभा-राज्यसभा तक पहुंचा था।
- 31 जनवरी 2025 को रायपुर के पंडरी के मितान विहार में चंगाई सभा में धर्मांतरण और हिंदू देवी-देवताओं के अपमान पर जमकर बवाल हुआ। हिंदू संगठनों की सूचना पर पादरी कीर्ति केशरवानी समेत 3 लोगों पर FIR हुई।
- धर्मांतरण की आड़ में 28 जुलाई को बिलासपुर के बंदवापारा इलाके में जोगी आवास स्थित प्रीति भवन में हिंदू संगठन ने घेराव कर दिया। पुलिस ने शिकायत पर 2 महिलाओं को हिरासत में लिया था।
- हिंदू संगठन और मसीही समाज के बीच वर्तमान में 17 जिलों में विवाद की स्थिति है। इन जिलों में अलग-अलग समय में विवाद हुआ और FIR भी दर्ज हुई।

मसीही समाज का सबसे बड़ा संगठन हमारा है। हम 19 जिलों में काम करते हैं। धर्मांतरण विलय को हमने तीन बार रोका है। सच्चाई कुछ और है। धर्मांतरण नाम की कोई चीज नहीं है। 1950 में ईसाई समाज 3 प्रतिशत था। आज हम 2.6 प्रतिशत रह गए हैं। हम सब हवा में आरोप लगाते हैं। कुछ लोग माइनोरिटी फ्री देश चाहते हैं। धर्मांतरण करना और धर्मांतरित होना मेरा अधिकार है। प्रलोभन और जबरदस्ती किसी के साथ नहीं कर सकते। जबरदस्ती हमारे चर्चों में घुसकर विवाद किया जाता है। प्रलोभन देने वाली बात नहीं, लेकिन यदि कोई चर्च आ रहा है, तो उसे हम कैसे मना कर सकते हैं। मैं मसीही समाज का हूं, लेकिन मैं खुद मंदिर, गुरुद्वारा जाता हूं। कई बार चंदा भी दिया हूं। सुनियोजित घटनाएं हो रही है। पैसा बांटकर इन घटनाओं को अंजाम दिया जाता है। आदिवासी स्वतंत्र है, उस पर धर्म थोपने की जरूरत नहीं है।

अरुण पन्नालाल अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ क्रिश्चियन फोरम

अब शव थाने में छोड़ेंगे- मसीह समाज कांकेर

मसीह समाज कांकेर के संरक्षक डॉ. प्रदीप क्लॉडियस का कहना है कि हालात को देखते हुए समाज ने अब एक फैसला लिया है। डॉ. क्लॉडियस के मुताबिक, अगर मसीह समाज से जुड़े किसी व्यक्ति की मौत होती है, तो उसकी लाश सीधे थाने ले जाकर छोड़ी जाएगी।

हिन्दू संगठनों की अलर्ट रहने की अपील

स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक अमला शव को लेकर रवाना हुआ। शव को जिले से बाहर ले जाया गया तब मामला शांत हुआ। वहीं हिन्दू संगठनों ने आसपास के ग्रामीणों से अपील की है कि बिना प्रशासनिक अनुमति के धर्मांतरण से जुड़े किसी भी शव को अपने गांव में दफनाने न दें। अलर्ट आमाबेड़ा, बड़े तेवड़ा, नरहरपुर, सुरही, दुधवा, चारामा, भानुप्रताप, कांकेर, कोंडागांव, धमतरी, सिहावा और नगरी क्षेत्रों में जारी किया गया है।

कांकेर के 14 गांवों में पास्टर-पादरियों पर बैन

कांकेर जिले में धर्म परिवर्तन की घटनाओं के बाद 14 गांवों में पास्टर और पादरियों के प्रवेश पर बैन लगा दिया गया। ग्रामीणों के मुताबिक यह कदम उन्होंने अपनी परंपरा और संस्कृति की रक्षा के लिए उठाया है। इन 14 गांवों में से एक जामगांव है जिसकी जनसंख्या करीब 7 हजार है। यहां 14-15 परिवारों ने अघोषित रूप से ईसाई धर्म अपना लिया है। इसी वजह से आदिवासी समुदाय और धर्म परिवर्तन कर चुके परिवारों के बीच दूरी बढ़ गई है।

हाईकोर्ट में याचिका खारिज, बोर्ड असंवैधानिक नहीं

वहीं, ईसाई समुदाय के लोगों का कहना है कि उनके रिश्तेदार भी अब मिलने नहीं आ पाते, क्योंकि जिन गांवों में वे रहते हैं, वहां भी इसी तरह के बोर्ड लगे हैं। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भी इन ग्राम सभाओं के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने माना कि जबरन या प्रलोभन देकर धर्मांतरण रोकने के लिए लगाए गए ये बोर्ड असंवैधानिक नहीं हैं, बल्कि स्थानीय संस्कृति की रक्षा के लिए ग्राम सभा का एहतियाती कदम हैं।

छत्तीसगढ़ में धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम लागू, लेकिन सरकार ने नया ड्राफ्ट किया तैयार

छत्तीसगढ़ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 1968 लागू हो इस अधिनियम के तहत छत्तीसगढ़ में मौजूदा धर्म स्वतंत्रता कानून के तहत 'बल पूर्वक' धर्मांतरण कराने पर किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को एक साल की कैद या पांच हज़ार रुपए जुर्माना या फिर दोनों सजाएं साथ-साथ दिए जाने का प्रावधान है।

इस नियम को और सख्त साय सरकार कर रही है। तीन राज्यों की स्टडी करके सरकार ने फरवरी 2024 में एक मसौदा तैयार करवाया है। इस नए कानून में 17 प्वाइंट्स को शामिल किया गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, विधानसभा में इसे पेश करने से पहले कुछ संशोधन होगा। नया कानून लागू होते ही धर्म परिवर्तन से पहले सूचना देनी होगी। ड्राफ्ट के अनुसार यदि प्रलोभन, बल, विवाह या कपटपूर्ण तरीके से किसी व्यक्ति का धर्म परिवर्तन करवाया जा रहा है, तो धर्मांतरण अवैध माना जाएगा। साथ ही धर्मांतरण के बाद, व्यक्ति को 60 दिनों के भीतर एक और डिक्लेरेशन फॉर्म भरना होगा। इसका सत्यापन कराने के लिए उसे स्वयं जिला प्रशासन के अधिकारियों के सामने पेश होना पड़ेगा। धर्मांतरण के बाद व्यक्ति यदि इस नियम का पालन नहीं करता, तो जिला प्रशासन के अधिकारी उसके धर्मांतरण को अवैध करार दे सकते हैं।

साइबर अपराधियों का अंतरराज्यीय नेटवर्क ध्वस्त

ऑपरेशन साइबर शील्ड राजधानी रायपुर पुलिस ने किया भंडाफोड़

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर की पुलिस ने ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत साइबर अपराधियों की रीढ़ माने जाने वाले फर्जी सिम कार्ड सप्लायरों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए

- **एमपी का आरोपी रामकृष्ण कुशवाहा गोवा की होटल से अरेस्ट**
- **'डबल थंब स्कैन'-आई ब्लिंक से एक्टिवेट करता था फर्जी सिम**

अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। रायपुर रेंज आईजी अमरेश मिश्रा के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में मध्य प्रदेश के मैहर निवासी एक आरोपी को गोवा से गिरफ्तार किया गया है, जो ग्राहकों की पहचान का दुरुपयोग कर फर्जी सिम एक्टिवेट करता था और उन्हें देशभर के साइबर ठगों को बेच देता था।

गोवा से पकड़ा गया जालसाज

सिविल लाइन थाना रायपुर में दर्ज अपराध क्रमांक 290/25 की जांच के दौरान रेंज साइबर थाना की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी रामकृष्ण कुशवाहा को चिन्हित किया। आरोपी मूल रूप से मैहर (मध्य प्रदेश) का निवासी है, लेकिन गिरफ्तारी से बचने के लिए गोवा के संगोल्दा क्षेत्र (प्राइम रोज) में छिपकर रह रहा था। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

18.52 लाख की ठगी, 41 फर्जी सिम शामिल

जांच में सामने आया कि छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के पीड़ितों से की गई 18.52 लाख रुपए की ठगी में कुल 41 फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल हुआ। आरोपी 'शिवम मोबाइल' और 'रामकृष्ण मोबाइल' के नाम से प्वाइंट ऑफ सेल (POS) संचालित करता था। उसके पास से बड़ी संख्या में प्री-एक्टिवेटेड (पहले से चालू) सिम बरामद किए गए हैं।

आने वाले दिनों में होगी और गिरफ्तारी

पुलिस के मुताबिक, ये सिम आगे साइबर ठगों को सप्लाई किए जाते थे, जिनका उपयोग बैंकिंग फ्रॉड, ओटीपी ठगी और ऑनलाइन स्कैम में होता था। आरोपी से नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने संकेत दिए हैं कि आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

ऐसे करता था 'डबल थंब स्कैन' से ठगी

ई-केवाईसी (E-KYC): नया सिम या पोर्ट कराने आए ग्राहकों से 'डबल थंब स्कैन' या 'आई ब्लिंक' के जरिए एक की जगह दो सिम एक्टिवेट कर लेता था। डी-केवाईसी (D-KYC): जिन ग्राहकों के पास आधार की फिजिकल कॉपी होती थी, उनके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर खुद ही विवरण वेरिफाई करता और फर्जी सिम निकाल लेता था।

विभिन्न राज्यों में 1236 केस दर्ज, 77.53 लाख रूपये की ठगी खातों में 02 करोड़ रूपये होल्ड

रायपुर। आरोपियों के खातों में फ्रॉड की लगभग 02 करोड़ रूपये की राशि होल्ड कराया गया है, जो विभिन्न राज्यों के पीड़ितों के हैं, जिनसे संपर्क कर उनका रकम वापस कराया जाएगा। विगत 11 माह में हुये फ्रॉड में फर्स्ट लेयर बैंक खाता में होल्ड 7 करोड़ रूपये की राशि को पीड़ितो को वापस कराने हेतु माननीय न्यायालय से आदेश कराया गया है जिसमें 4 करोड़ रूपये से अधिक की राशि पीड़ितों को वापस कराया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपियों के विरूद्ध देश के विभिन्न राज्यों के विभिन्न थानों में 1236 रिपोर्ट दर्ज है। आरोपियों द्वारा किये गये 77.35 लाख रूपये के अपराध की जांच में आरोपियों द्वारा प्रयुक्त बैंक खाता में कुल 174.5 करोड़ रूपये ट्रांजेक्शन होने का खुलासा हुआ है। आरोपियों से पूछताछ में और भी बहुत से लोगों के नाम सामने आये हैं जो इन बैंक खातों का उपयोग ठगी करने के लिये करते थे। अग्रिम कार्यवाही में उन सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। यह सभी आरोपी अपने बैंक खातों को रेंट बेसिस पर और कुछ लोग ठगी के रकम से 10 से 20 प्रतिशत कमीशन पर लेकर अन्य आरोपियों को उपलब्ध कराते थे।

केस- 01 भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा संचालित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के पोर्टल के माध्यम से रिपोर्टेड इंडसइंड बैंक शाखा रायपुर में खुले म्यूल बैंक अकाउंट में अलग अलग राज्यों के अनेकों लोगों से हुए साइबर अपराध की कुल रकम 20.2 लाख रूपये जमा होने से थाना माना रायपुर में अपराध क्रमांक 300/25 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 111, 3(5) बी एन एस पंजीकृत किया गया। विवेचना में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

केस- 02 भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा संचालित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के पोर्टल के माध्यम से रिपोर्टेड पंजाब एंड सिंध शाखा रायपुर में खुले म्यूल बैंक अकाउंट में अलग अलग राज्यों के अनेकों लोगों से हुए साइबर अपराध की कुल रकम 1.7 लाख रूपये जमा होने से थाना देवेंद्र नगर रायपुर में अपराध क्रमांक 189/25 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 111, 3(5) बी एन एस पंजीकृत किया गया। विवेचना में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

केस- 03 भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा संचालित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के पोर्टल के माध्यम से रिपोर्टेड DCB बैंक रायपुर में खुले म्यूल बैंक अकाउंट में अलग अलग राज्यों के अनेकों लोगों से हुए साइबर अपराध की कुल रकम 3.6 लाख रूपये जमा होने से थाना सिविल लाइन रायपुर में अपराध क्रमांक 422/25 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 111, 3(5) बी एन एस पंजीकृत किया गया। विवेचना में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

केस- 04 भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा संचालित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के पोर्टल के माध्यम से रिपोर्टेड I D B I बैंक रायपुर में खुले म्यूल बैंक अकाउंट में अलग अलग राज्यों के अनेकों लोगों से हुए साइबर अपराध की कुल रकम 6.42 लाख रूपये जमा होने से थाना सिविल लाइन रायपुर में अपराध क्रमांक 454/25 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 111, 3(5) बी एन एस पंजीकृत किया गया। विवेचना में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

केस-05 भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा संचालित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के पोर्टल के माध्यम से रिपोर्टेड यूको बैंक रायपुर में खुले म्यूल बैंक अकाउंट में अलग अलग राज्यों के अनेकों लोगों से हुए साइबर अपराध की कुल रकम 21.29 लाख रूपये जमा होने से थाना तेलीबांधा रायपुर में अपराध क्रमांक 609/25 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 111, 3(5) बी एन एस पंजीकृत किया गया। विवेचना में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

केस-06 भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा संचालित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के पोर्टल के माध्यम से रिपोर्टेड पंजाब नेशनल बैंक रायपुर में खुले म्यूल बैंक अकाउंट में अलग अलग राज्यों के अनेकों लोगों से हुए साइबर अपराध की कुल रकम 23.95 लाख रूपये जमा होने से थाना राखी रायपुर में अपराध क्रमांक 157/25 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 111, 3(5) बी एन एस पंजीकृत किया गया। विवेचना में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

अंधे क़त्ल की गुत्थी सुलझी

गर्लफ्रेंड का दोस्त संग सेक्स करने से इंकार किया तो मार-डाला

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर में 22 नवंबर 2025 को नाबालिग लड़की के संदिग्ध हालत में मिले शव मामले में पुलिस ने आरोपी को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। आरोपी नाबालिग लड़की का बॉयफ्रेंड है। जांच में पता चला कि

- **दुर्ग में हत्या,लाश को बाइक से लाकर रायपुर में फेंका**
- **आरोपी आरोपी शातिर चोर, 11 सूने मकानों में की चोरी**

वारदात वाले दिन आरोपी ने अपनी गर्लफ्रेंड को मिलने के लिए दुर्ग के होटल में बुलाया था।

वहां आरोपी ने गर्लफ्रेंड से अपने दोस्त और खुद के साथ सेक्स के लिए दबाव डाला। जब लड़की ने इनकार किया, तो आरोपी और उसके दोस्त ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद दोनों ने लड़की के शव को बाइक पर बैठाकर रायपुर ले आए और यहां अमलीडीह सोलस हाइटस कॉलोनी के पीछे खाली प्लॉट में फेंककर फरार हो गए। आरोपियों ने हत्या की वारदात को सुसाइड बताने के लिए नाबालिग के मोबाइल से आत्महत्या करने जैसे चैट भी किए। यह मामला न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। वहीं इस वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी शातिर चोर भी है। उसने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर रायपुर के 11 सूने मकानों में चोरी की थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 60 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और अन्य

सामान बरामद किए हैं।

हत्या का आरोपी कर चुका है 11 चोरियां, माल मशरूका बरामद

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि आरोपी हरीश पटेल शातिर चोर है। उसने बताया कि वो अपने साथी अरविंद नेताम, उषा राठौर और एक अन्य युवक के साथ मिलकर रायपुर के अलग-अलग इलाकों में 11 सूने मकानों में चोरी कर चुके हैं। पुलिस ने आरोपियों से 400 ग्राम सोने के जेवर, 3 किलोग्राम चांदी के जेवर, 20,000 रुपये नकद, एक्स ड्रीम मोटरसाइकिल और 4 मोबाइल फोन बरामद किए। इन सभी की कीमत लगभग 60 लाख रुपये बताई गई है। इस मामले में एक आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश पुलिस लगातार कर रही है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

आरक्षक भर्ती : गृहमंत्री के बंगले पहुंची कैंडिडेट्स की भीड़

गृहमंत्री से एक अभ्यर्थी का कई जिलों में चयन पर बवाल

- **नाराज कैंडिडेट्स से गृहमंत्री ने की लंबी विस्तृत चर्चा**

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी को लेकर बड़ी संख्या में आरक्षक कैंडिडेट्स गृहमंत्री विजय शर्मा के बंगले पहुंचे। जहां गृहमंत्री ने खुद बंगले के बाहर कैंडिडेट्स से मिलकर मुलाकात की और समस्याओं पर चर्चा की। इससे पहले कैंडिडेट्स ने बंगले के बाहर बैठकर अपनी मांगे रखी। गृहमंत्री विजय शर्मा ने उन्हें मनाने का प्रयास किया और बंगले के भीतर चर्चा करने की समझाइश दी। हालांकि कैंडिडेट्स ने कहा कि बाकी साथियों के आने पर ही वो बंगले जाएंगे। इसके बाद गृहमंत्री अंदर चले गए। कुछ देर बाद बाकी साथियों के आने पर कैंडिडेट भी अंदर पहुंचे। जहां मंत्री विजय शर्मा के साथ के साथ उनकी चर्चा हुई।

गृहमंत्री बोले- भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी

गृहमंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार (16 दिसंबर) को विधानसभा भवन में पत्रकारों से इस मुद्दे पर बातचीत करते हुए स्पष्ट किया कि पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और विश्वसनीय तरीके से संपन्न की गई है। गृहमंत्री ने बताया कि अभ्यर्थियों की मांग पर सभी उम्मीदवारों के प्राप्तांक सार्वजनिक कर दिए गए हैं। अब कोई भी अभ्यर्थी किसी भी जिले के उम्मीदवार के अंक विभागीय वेबसाइट पर जाकर देख सकता है। इसके लिए QR कोड भी जारी किए गए हैं, जो सीधे रिजल्ट पोर्टल तक ले जाते हैं।

बंगले से बाहर निकलकर अभ्यर्थियों से मिले गृहमंत्री शर्मा।

कैंडिडेट्स ने आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी को लेकर की शिकायत।

गृहमंत्री के बंगले के बाहर इकट्ठे हुए कैंडिडेट्स। गृहमंत्री और कैंडिडेट्स के बीच आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी को लेकर चर्चा।

एक अभ्यर्थी का कई जिलों में चयन, ऐसे होगा समाधान

वहीं एक ही कैंडिडेट्स का कई जिलों में चयन को लेकर उठे सवालों पर गृहमंत्री ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि खुली प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए अभ्यर्थियों को किसी भी जिले से शारीरिक परीक्षा देने की अनुमति दी गई थी। कई अभ्यर्थियों ने एक से अधिक जिलों में शारीरिक परीक्षा दी और सफल भी हुए। ऐसे मामलों में लिखित परीक्षा एक ही बार ली गई, लेकिन जिन-जिन जिलों में शारीरिक परीक्षा पास की थी, वहां लिखित परीक्षा के अंक जोड़ दिए गए। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि अंतिम चयन केवल एक ही जिले में होगा। अन्य जिलों में प्रतीक्षा सूची (वेटिंग लिस्ट) से प्रावीण्यता सूची के आधार पर अन्य युवाओं का चयन किया जाएगा।

शिकायत निवारण मंच में ADG सुनेंगे अभ्यर्थियों को

भर्ती प्रक्रिया को लेकर शिकायतों के समाधान के लिए विभाग ने खुला मंच उपलब्ध कराया है। एडीजी एसआरपी एसपी कल्लूरी ने बताया कि किसी अभ्यर्थी को भर्ती में अनियमितता या गड़बड़ी की शिकायत है, तो वे 19 और 20 दिसंबर 2025 को पुलिस मुख्यालय, रायपुर में सबूतों के साथ उनसे सीधे मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता को लेकर जिन अभ्यर्थियों को संदेह है, वे लिखित शिकायत और प्रमाण के साथ पुलिस मुख्यालय आ सकते हैं। इससे पहले भी 12 से 14 दिसंबर तक सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों ने अपने कार्यालयों में शिकायतें सुनी थीं।

5,967 पदों के लिए आए थे करीब 7 लाख आवेदन

एडीजी कल्लूरी ने बताया कि पुलिस आरक्षक भर्ती में कुल 5,967 पदों के लिए लगभग 7 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे। भर्ती परीक्षा सितंबर माह में आयोजित की गई थी और रिजल्ट 9 दिसंबर को जारी किया गया। अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होने के कारण शंकाएं स्वाभाविक हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विशेष शिकायत निवारण व्यवस्था की गई है। विभाग का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया नियमों के तहत पूरी तरह पारदर्शी रही है और हर शिकायत को तथ्यों के आधार पर सुना जाएगा।

रायपुर में नए साल से लागू होगी पुलिस कमिश्नर प्रणाली

ओडिशा, महाराष्ट्र, हैदराबाद, राजस्थान, कोलकाता और दिल्ली कमिश्नरी के अध्ययन के बाद मध्यप्रदेश के फॉर्मूले को सबसे उपयुक्त माना

शहर सत्ता/ रायपुर। घोषणा के कई दिनों बाद आखिरकार छत्तीसगढ़ में भी पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू हो जाएगी। खासी कवायद अन्य राज्यों की पुलिस कमिश्नरी सिस्टम को समझने के बाद छत्तीसगढ़ के लिए मध्यप्रदेश के फॉर्मूले को सबसे उपयुक्त माना गया है। राजधानी रायपुर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली 1 जनवरी 2026 से लागू हो जाएगी। इसकी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। वैसे पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने वाला छत्तीसगढ़ देश का 18वां राज्य होगा। फिलहाल यहां रायपुर में ही यह सिस्टम लागू किया जाएगा। उसके बाद अन्य शहरों दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर में इसका विस्तार किया जाएगा। पुलिस कमिश्नर के तौर किसी एडीजी या आईजी रैंक के अफसर की तैनाती होने की संभावना है। रायपुर का पहला पुलिस कमिश्नर बनने के लिए फिलहाल कई सीनियर अफसरों के नाम चल रहे हैं।

पुलिस आयुक्त प्रणाली में मिलेंगे ये अधिकार

- शांति व्यवस्था भंग होने पर कर्फ्यू लगाने का।
- कलेक्टर की बजाय धरना प्रदर्शन की अनुमति कमिश्नर दे पाएंगे।
- प्रतिबंधात्मक धारा 144 लागू करने का।
- अपराधियों को जिलाबदर करने का।
- शस्त्र अधिनियम के तहत लाइसेंस जारी करने का।
- लाइसेंस निरस्त करने का।
- सिनेमाघर, पब-बार, रेस्टोरेंट में कार्रवाई का।
- गुंडा एक्ट या राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) जैसी धाराएं लगाने का।
- दंगे में बल प्रयोग और जमीन विवाद सुलझाने तक के निर्णय का।

बल, संसाधन और अफसरों पर शीघ्र निर्णय

रायपुर में 25 लाख की आबादी पर 2 हजार 980 जवान तैनात हैं। कई सालों से भर्ती नहीं होने के कारण जवानों की भारी कमी है। जवानों की कमी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 25 साल पहले जब शहर की आबादी 8 लाख थी तब यहां 3 हजार 825 जवान तैनात थे। अब 25 लाख की आबादी पर उससे भी कम जवान हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि पुलिस कमिश्नर प्रणाली के साथ ही रायपुर में पुलिस फोर्स की संख्या बढ़ाई जाएगी। पुलिस अफसरों का मानना है कि कमिश्नर प्रणाली को सफल बनाने के लिए यहां फोर्स में भर्ती करनी ही होगी।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 21 ट्रेनें 26 से 29 दिसंबर के बीच नहीं चलेंगी

रायपुर-डोंगरगढ़, गोंदिया-इतवारी, बालाघाट रूट के यात्री होंगे परेशान

- **रेल वन ऐप, 139 हेल्पलाइन, एनटीईएस या रेलवे स्टेशन से लें जानकारी**

शहर सत्ता/रायपुर। बिलासपुर रेलवे जोन में 21 मेमू पैसेंजर गाड़ियों को 26 दिसंबर से 29 दिसंबर 2025 तक कैंसिल कर दिया गया है। इसके अलावा दो मेमू पैसेंजर ट्रेनों को गंतव्य से पहले आंशिक रूप से समाप्त कर दी जाएगी। नागपुर मंडल के डोंगरगढ़ सेक्शन में काम होगा। 21 गाड़ियों में रायपुर मंडल की 11 और नागपुर मंडल की 10 गाड़ियां रद्द रहेंगी। रद्द होने वाली प्रमुख गाड़ियों में रायपुर-डोंगरगढ़, गोंदिया-नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी), बालाघाट-इतवारी और डोंगरगढ़-रायपुर मेमू ट्रेनें शामिल हैं। मेमू पैसेंजर ट्रेनों के रद्द होने से लोकल यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। 26 दिसंबर 2025 को 1 मेमू पैसेंजर ट्रेन कैंसिल रहेगी। 27 दिसंबर को 10 मेमू पैसेंजर ट्रेनें रद्द रहेंगी। 28 दिसंबर को 9 मेमू पैसेंजर ट्रेनें और 29 दिसंबर को 1 मेमू पैसेंजर ट्रेन कैंसिल रहेंगी।

रेलवे प्रशासन ने बताया कि यह काम डोंगरगढ़ पर परिचालन क्षमता बढ़ाने और सुरक्षा मानकों को मजबूत करने के लिए किया जा रहा है। यात्रियों से कहा गया है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले रेल वन ऐप, 139 हेल्पलाइन, एनटीईएस या नजदीकी रेलवे स्टेशन से अपनी ट्रेन की जानकारी जरूर ले लें।

पहले ही 7 ट्रेनों को 26 जनवरी से 14 फरवरी तक किया है रद्द

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की 7 ट्रेनों को कैंसिल किया गया है। ये गाड़ियां 26 जनवरी से 14 फरवरी तक अलग-अलग दिनों में रद्द रहेगी। दरअसल, दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल के काजीपेट–बल्लारशाह सेक्शन में तीसरी लाइन और नई लाइन की कमीशनिंग को लेकर नॉन-इंटरलॉकिंग का काम किया जाएगा।

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

नक्सलवाद के बाद नस्लवाद

एक वक्त था जब लाल आतंक यानि कि नक्सलवाद से ख़ौफ़ज़दा वनवासी घर छोड़कर शहरों और कस्बों के लिए पलायन करने मजबूर थे। अब नक्सलवाद ख़त्म होने को है तो इससे ज्यादा बड़ा खतरा इन्हीं भोले-भले आदिवासियों को नस्लवाद से है। नक्सलवाद के बाद नस्लवाद के तहत बस्तर में वन पुत्रों पर जो कहर बरपाया जा रहा है दोनों ही मामलों में शासन-प्रशासन ही इन सब के लिए जिम्मेदार है। मुद्दे से मुंह मोड़े बैठे जिम्मेदार इससे भविष्य में क्या लाभ उठाना चाह रहे इसका जवाब वक्त के गर्त में है। लेकिन मामला अब हिंसक और दुर्दांत होने लगा है। अपनी ही जमीन में दफ़्न होने वाले को दो गज़ जमीन भी मयस्सर नहीं अब बस्तर में। यह विडंबना ही है कि हमारी सनातनी परंपरा अब विश्व बंधुत्व को भुलाकर नस्लवाद के जंजाल में फंस गई है। खतरनाक ढंग से बढ़ रहे इस नस्लवाद के खतरे को धर्मांतरण का चोला पहना कर पेश करने वाले यह भूल रहे हैं कि आखिरकार क्यों दबे, कुचले और दलित वर्ग दूसरे धर्म के विश्वासी बनते जा रहे हैं?

दुर्गम और दुरस्थ इलाकों में प्रकृति के भरोसे छोड़ दिए गए वनवासियों तक आज़ादी के बाद से ही सिर्फ धर्म प्रचारक पहुंच पाए हैं। आदिवासियों को संग्राहलय के तौर पर देखने वाले उनसे क्यों ईर्ष्या कर रहे हैं, जो धर्म प्रचार के साथ साथ उनकी शिक्षा और बीमारी दूर करने के लिए काम कर रहे हैं। किसी ने सहीं कहा है जलो मत बराबरी करो..! जहां सुविधा संपन्न सरकार और अधिकारी नहीं पहुंच पाते थे वहां धर्म प्रचारक पहुँच गए ! स्कूल और सेवा केंद्र भी बिना सरकारी मदद के खुल गए तो विश्वास और विश्वासी बढ़ेंगे ही। सहीं भी है...भूखे पेट, बीमार पीप और सड़ते घावों वालों को जब उनके ही लोग भूल गए थे तब उनके लिए भगवान ने एक वर्ग विशेष के धर्मावलंबियों को भेजा। इसे कुछ कट्टरवादी भावनात्मक ब्लैक मेल करना बताते हैं। अरे भाई...तो तुम भी ऐसा ही करो न। मुस्लिम आक्रांताओं की तरह तलवार, बरछों की नोक पर नहीं सेवा के बल पर चल रहे इस शांति प्रचार से अगर कोई सनातनी खुद को पराजित महसूस करने लगा है तो उसे भी बढ़ चढ़कर वन पुत्रों का भरोसा जीतना होगा। कब्र खोदकर मृतात्मा का अपमान और परिजनों को पीड़ा देना भी मुस्लिम आक्रांताओं वाला कृत्य ही है।

धार्मिक भेदभाव, क्लीष्ट धार्मिक कर्मकांडों और उच्च-निम्न वर्ग में इंसानियत को तक़सीम करने वाले आखिरकार क्यों घर वापसी कर रहे हैं? शायद इसका जवाब उनके अतीत में किये गए वंशवादी कृत्यों का ही प्रायश्चित स्वरुप है। जिन्हें पहले जुते की नोक में रखते थे अचानक ऐसा क्या हुआ कि उन्हें वही दलित बहुत दिनों बाद अब अपने से लगने लगे हैं? मुझे नहीं लगता कि हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख और इसाई या बौद्ध-जैनियों को एक दूसरे से खतरा है। ये सब शटरांग चंद कट्टरपंथी सोच रखने वाले धर्मांध लोगों के राजनीतिक आकाओं का कुत्सित प्रयास है।

एक जान बचाना, पूरी मानवता को बचाने जैसा

एन रघुरामन

पिछले रविवार वह कबाब खा रहा था, तभी गोलियों की आवाज सुनकर लोग इधर-उधर भागने लगे। वह अपना कबाब वहीं छोड़ कर गोलियों की दिशा में दौड़ा। ऑस्ट्रेलिया में बॉन्डी शूटिंग का हादसा डरावना था, लेकिन इसने आम लोगों की बहादुरी भी दिखा दी।

इनमें एक थे पंजाबी-सिख, भारतीय मूल के न्यूजीलैंडर अमनदीप सिंह बोला। उन्होंने पुलिस की गोली लगने से एक शूटर को लड़खड़ाते देखा तो उस पर झपट पड़े। ऑस्ट्रेलिया में पर्सनल ट्रेनर बोला ने साजिद अकरम की गन लात मारकर दूर कर दी। जमीन पर दबोच कर उसे हाथों में जकड़ लिया, ताकि वह कोई दूसरा हथियार इस्तेमाल ना कर सके। 34 वर्षीय बोला महज एक राहगीर थे। वह शूटिंग वाली जगह से काफी दूर थे, फिर भी वहां गए जहां अज्ञात शूटर्स गोलियां बरसा रहे थे और जो भी कर सकते थे, किया। इस जगह से दूर, महज एक दिन पहले शनिवार को एक और 34 वर्षीय भारतीय को बचाने वाला कोई नहीं था। जबकि उन्होंने सड़क पर गाड़ी स्टार्ट करने की मशक्कत करते कई लोगों की मदद की थी। पेशे से मैकेनिक इस व्यक्ति के सीने में रात 3.30 बजे तेज दर्द हुआ। उनकी पत्नी रूपा बिना समय गंवाए उन्हें स्कूटर से नजदीक के अस्पताल लेकर पहुंचीं। उम्मीद थी कि तुरंत इलाज मिलेगा, लेकिन मदद नहीं मिली। अस्पताल से उन्हें यह कह कर लौटा दिया गया कि कोई डॉक्टर मौजूद नहीं है। पास के दूसरे अस्पताल में ईसीजी कराई तो उनका सबसे बड़ा डर सच साबित हुआ- उसके पति वेंकटरमण में हार्ट अटैक के लक्षण थे। फिर से, न कोई इमरजेंसी इलाज, न एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। बस उन्हें तीसरे अस्पताल जाने की सलाह भर दे दी गई। घबराहट बढ़ रही थी, काेई मदद भी नहीं दिख रही थी तो उन्होंने सिर्फ वही किया- जो कर सकते थे। वे फिर से स्कूटर पर बैठे और अगले अस्पताल की ओर दौड़े। करीब 4.21 बजे वेंकटरमण ने फिर से अपना सीना पकड़ा। स्कूटर डगमगाया और दोनों सड़क पर गिर पड़े। दोनों घायल हो गए। घबराई रूपा संभलकर पति के पास दौड़ीं, जो सांस लेने के लिए भी जूझ रहे थे। फिर उस रात का शायद सबसे क्रूर पल आया। रूपा अपने हाथ हिलाती, गिड़गिड़ाती सड़क से गुजर रहे वाहनों से रुकने की भीख मांग रही थीं कि कोई रुके और उनके पति को अस्पताल पहुंचाए। लेकिन एक के बाद एक वाहन गुजरते रहे और काेई भी मदद के लिए नहीं रुका। सड़क पर पड़े वेंकटरमण एक-एक सांस के लिए जूझ रहे थे। एक-एक कीमती पल गुजर रहा था। आखिरकार एक पैदल राहगीर उनके पास रुका। जल्द ही वेंकटरमण की बहन भी मौके पर पहुंच गई और गाड़ियों को रोकने की कोशिश करने लगी। अंततः सात मिनट बाद एक कार रुकी। तब तक वेंकटरमण बेहोश हो चुके थे। बहन ने सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोच रहे हैं कि ऐसा निर्मम वाकिया कहां हो सकता है? तो यह सब बेंगलुरु में हुआ। हमारे देश के लोग ऑस्ट्रेलिया जैसे दूर देश में जान बचा सकते हैं, लेकिन आंखों के सामने तड़पती एक जान को नहीं बचा सके। क्या आपको यकीन नहीं कि ऐसी घटना भी हो सकती है? तो दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह सबकुछ- रूपा की मदद की गुहार, सड़क पर गिरते उनके पति और राहगीरों की बेरुखी- पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। ट्रैफिक पुलिस ने मामला दर्ज किया और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। वेंकटरमण के पीछे उसकी मां, पत्नी और दो बच्चे रह गए हैं।

> किसी की जान बचाना मानवता के लिए सबसे बड़ा योगदान माना जाता है। यह काम कभी तत्काल दिखाई गई बहादुरी, कभी जरूरतमंद को मेडिकल केयर देने और कभी परोपकार जैसे कार्यों से होता है। फंडा यह है कि अपने आसपास की हर जिंदगी की कद्र कीजिए।

यकीनन, किसी की जान बचाना मानवता के लिए सबसे बड़ा योगदान माना जाता है। यह काम कभी तत्काल दिखाई गई बहादुरी, कभी जरूरतमंद को मेडिकल केयर देने और कभी परोपकार जैसे कार्यों से होता है। फंडा यह है कि अपने आसपास की हर जिंदगी की कद्र कीजिए। इसलिए नहीं कि वे आपको आपकी जरूरत की चीजें देते हैं, बल्कि इसलिए कि वे आपको वो अहसास देते हैं, जिनकी जरूरत शायद आपको कभी महसूस नहीं होती।

मनुष्य जितना नीचे गिरेगा, उतना पतित होगा

कायदे से तो मंदिर में जाकर अहंकार गिराना चाहिए, पर कुछ लोग वहां जाकर आचरण गिरा देते हैं। पानी कितना ही नीचे गिरे, पानी ही रहेगा। लेकिन मनुष्य जितना नीचे गिरेगा, उतना ही पतित और पशुवत होता जाएगा। लोग धार्मिक क्षेत्र में भी भ्रष्ट होने के नए-नए मानक स्थापित कर रहे हैं। इन दिनों मांसाहार, शाकाहार और भ्रष्टाचार- इसकी बड़ी चर्चा होती है।

मांसाहार में हम दूसरों का जीवन समाप्त करके अपना पेट भरते हैं। शाकाहार में हम प्रकृति का सम्मान करते हुए अपना उदर तृप्त करते हैं। और भ्रष्टाचार में हम एक व्यवस्था के प्राण ले लेते हैं। इस समय दुनिया मांसाहार के प्रति उदासी बरत रही है। मीटलेस मंडे, वीगन फ्राइडे- इन सबका चलन बढ़ गया है। लोगों को समझ आ गया है कि मांसाहार छोड़ने से पर्यावरण और स्वास्थ्य पर अनुकूल असर पड़ेगा। लेकिन भ्रष्टाचारी लोग और बिगड़ रहे हैं। देश के सबसे धनाढ्य मंदिर में पहले लड्डू का भ्रष्टाचार किया। अब साड़ी प्रकरण सामने आ गया। ये भगवान के रोटी, कपड़ा, मकान- तीनों पर आक्रमण कर रहे हैं। आस्थावान आहत हैं और अपराधी अदृश्य हैं।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

-बिहार के महिला डॉक्टर नुसरत परवीन के मुँह म तोपाय हिजाब ल उहाँ के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ह एक सरकारी कार्यक्रम म घुँचा दे रिहिसे जी भैरा.. ए बात ह अब चारों मुड़ा चर्चा के विषय बनगे हे.

-बने के लइक बाते ए जी कोंदा.. काकरो भी धार्मिक आस्था या परंपरा ह हाँसी-मजाक या बेलौली करे के माध्यम तो नइ हो सकय ना? उही मंच म कोनो ह नीतीश कुमार के पैजामा के नाड़ा ल धर के तीर दे रहितीस त वोला जनातीस के सार्वजनिक मंच म अभद्रता करे ले कइसे जनाथे.

-तोर कहना सही हे.. भले मुख्यमंत्री के इरादा वो बखत महिला चिकित्सक के तोपाय मुँह ल पूरा देखना या कोई भी पवित्र भावना रिहिस होही, फेर एक सार्वजनिक मंच म काकरो भी हिजाब म तोपाय मुँह ल उघारना ल वाजिब नइ माने जा सकय.

-बीते 15 दिसंबर के होय ए घटना के बिहान भर ही परवीन ह अपन परिवार जगा कोलकाता चल दे हवय अउ अवइया 20 दिसंबर के सरकारी सेवा म योगदान दे के बुता म वो अपन ल असमर्थ मानत हे.. वोकर कहने हे के ए घटना के सेती वोला मानसिक आघात लगे हे.. वो ह स्कूल कॉलेज सबो के पढ़ई ल हिजाब म रहि के ही पढ़े हे. हिजाब वोकर व्यक्तिगत आस्था अउ चिन्हारी के हिस्सा आय.. अब वो बिहार सरकार के नौकरी ल ज्वाइन ही नइ करय.

साप्ताहिक शहर सत्ता

हिंदू युवक की लिचिंग में 10 अरेस्ट

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू युवक की भीड़ द्वारा लिंचिंग के मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने बयान जारी किया है और कहा कि इस जघन्य अपराध में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा. यह घटना गुरुवार को मयमनसिंह जिले के बलुका इलाके में हुई थी. 25 वर्षीय दीपू चंद्र दास एक गारमेंट फैक्ट्री में काम करते थे. उन्हें कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला. इसके बाद उनके शव को आग के हवाले कर दिया. मोहम्मद यूनुस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बयान जारी किया और बताया कि गिरफ्तार किए गए 10 लोगों में से सात को रैपिड एक्शन बटालियन (RAB) ने गिरफ्तार किया है, जबकि तीन आरोपियों को पुलिस ने संदिग्ध के रूप में पकड़ा है. उन्होंने कहा कि RAB और पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर ऑपरेशन चलाकर इन लोगों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपियों की उम्र 19 से 46 वर्ष के बीच बताई गई है.

पहले फैक्ट्री के बाहर पीटा, फिर पेड़ से लटकाकर शव जलाया

कथित ईशनिंदा के आरोप में दीपू चंद्र दास को भीड़ ने सबसे पहले फैक्ट्री के बाहर पीटा. इसके बाद एक पेड़ से लटका दिया. भीड़ ने बाद में शव को ढाका-मयमनसिंह हाईवे के किनारे छोड़ दिया और कुछ समय बाद उसे जला दिया. पुलिस ने शव को बरामद कर मयमनसिंह मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां पोस्टमार्टम कराया गया.

'हिंसा के लिए जगह नहीं'

अंतरिम सरकार ने लिंचिंग की कड़ी निंदा की और कहा कि नए बांग्लादेश में इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है. सरकार ने कहा था कि इस जघन्य अपराध के दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा. तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से बांग्लादेश में हिंदू समुदाय समेत अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं।

भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ी

बांग्लादेश में प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देश का माहौल तेजी से तनावपूर्ण होता जा रहा है. इस घटना ने न सिर्फ राजनीतिक उथल-पुथल को बढ़ाया है, बल्कि सामाजिक और सांप्रदायिक तनाव को भी गहरा कर दिया है. उसके असर से सुरक्षा, विरोध प्रदर्शन और सांप्रदायिक तनाव के मद्देनजर बड़े अपडेट सामने आए हैं. सबसे पहले सिलहट शहर में भारतीय सहायक उच्चायोग कार्यालय और वीजा आवेदन केंद्र पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, ताकि हादी की मौत के बाद उत्पन्न तनाव का अनुचित रूप से कोई फायदा न उठा सके. सुरक्षा बलों को शनिवार से ही विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर लगातार तैनात किया गया है, जिसमें सहायक उच्चायोग कार्यालय, उच्चायोग अधिकारी का निवास तथा वीजा केंद्र शामिल हैं. इससे पहले वहां 'इंकलाब मंच' के समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन भी किया था. गणो अधिकार परिषद ने सहायक उच्चायोग कार्यालय का घेराव करने का कार्यक्रम घोषित किया था और कुछ समूहों ने सिलहट के शहीद मिनार के सामने जमकर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें भारत विरोधी नारे भी लगाए गए.

शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद भड़की हिंसा

32 वर्षीय हादी, जो पिछले साल हुए छात्र-नेतृत्व वाले आंदोलन के प्रमुख नेता थे, पर 12 दिसंबर को ढाका के बिजॉयनगर इलाके में चुनाव प्रचार के दौरान नकाबपोश हमलावरों ने सिर में गोली मार दी थी. गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया था, जहां गुरुवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. हादी की मौत के बाद देशभर में गुस्सा फैल गया है. राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं. कई जगह हिंसक प्रदर्शन भी हुए हैं. इस दौरान कुछ समाचार पत्र कार्यालयों पर हमले किए गए, मीडिया संस्थानों में तोड़फोड़ हुई और सड़कों पर पत्थरबाजी की गई।

तसलीमा नसरीन ने मोहम्मद यूनुस को लगाई लताड़

इंटरनेट पर बांग्लादेश में पनपे उग्र हिंसक प्रदर्शन से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है. इसमें बांग्लादेश में हिंदू शख्स दीपू चंद्र दास है. यह वही शख्स है, जिसकी उग्र भीड़ ने पीट पीटकर हत्या कर दी थी और पेड़ से बांधकर आग के हवाले कर दिया था. अब पूरे मामले पर बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन ने मोहम्मद यूनुस सरकार पर निशाना साधा है और इस पूरे घटनाक्रम को सोशल मीडिया पर साझा किया है. तसलीमा नसरीन ने कहा कि पूरे देश में जिहादी हादी के लिए लोग रो रहे हैं. किसी ने भी उस मासूम गरीब हिंदू लड़के की तरफ नहीं देखा, जिसे जिहादियों की एक गैंग ने पीट-पीटकर और जलाकर मार डाला था।

महाराष्ट्र नगर परिषद–नगर पंचायत चुनावों में भाजपा का दबदबा

मुंबई। महाराष्ट्र में भाजपा ने 129 स्थानों पर अपने नगर अध्यक्ष जिताकर ताकत फिर सिद्ध की है। भाजपा के सहयोगी दलों में से शिवसेना के 57 एवं राकांपा के 37 नगर अध्यक्ष बन सकते हैं। विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी में कांग्रेस को 30 स्थानों पर अपने नगर अध्यक्ष जिताए हैं।शिवसेना (यूबीटी) एवं राकांपा (शरदचंद्र पवार) के हिस्से में 10-10 नगर अध्यक्ष पद ही आते दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे 'टीम भाजपा' की जीत बताया है। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के प्रथम चरण में रविवार को 246 नगर परिषद एवं 42 नगर पंचायतों के लिए चुनाव परिणाम घोषित हुए। नगर परिषद एवं नगर पंचायतों के चुनाव दो दिसंबर एवं 20 दिसंबर को हुए थे। चुनाव नतीजों में भाजपा अपने सहयोगियों एवं विरोधियों से बहुत आगे दिखाई दे रही है। इससे जहां उसकी राज्यव्यापी ताकत बढ़ती दिख रही है, वहीं मुख्यमंत्री फडणवीस के राजनीतिक कौशल पर भी फिर मुहर लग गई है।

भाजपा के कुछ नगर अध्यक्ष तो शुरुआत में ही निर्विरोध चुनकर आ गए थे।

पीछे रह गई कांग्रेस

भाजपा अपनी सहयोगी शिवसेना से दोगुने से ज्यादा एवं राकांपा से तीन गुने अधिक नगर अध्यक्षों को चुनवाकर लाने में सफल रही है, जबकि कांग्रेस बहुत पीछे रह गई है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) का तो लगभग सफाया ही हो गया है। इससे एक बार फिर उपमुख्यमंत्री शिंदे की शिवसेना का प्रभाव अधिक होने पर मुहर लग गई है

फाइटर जेट मिराज-2000 होगा अपग्रेड 160KM तक नहीं बचेगा टारगेट

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना (IAF) मुख्यालय मिराज 2000 लड़ाकू विमानों की अपग्रेडेड फ्लीट में स्वदेशी अस्त्र Mk 1 बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर टू एयर मिसाइल (BVRAAM) को शामिल करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है. यह फैसला विदेशी अगली पीढ़ी की मिसाइलों के आने तक वायुसेना की क्षमतागत कमी को पाटने में अहम भूमिका निभा सकता है.वर्तमान में भारतीय वायुसेना के मिराज 2000 विमान MICA IR और MICA RF मिसाइलों पर निर्भर हैं, जिनकी प्रभावी मारक दूरी लगभग 80 किलोमीटर बताई जाती है. रक्षा सूत्रों के अनुसार, यह रेंज अब क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों के पास मौजूद लंबी दूरी की मिसाइल प्रणालियों की तुलना में कम मानी जा रही है, जिससे वायु युद्ध क्षमता पर असर पड़ सकता है.

MICA NG पर काम जारी

idrw.org की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय रक्षा कंपनी MBDA अगली पीढ़ी की MICA NG (New Generation) मिसाइल पर काम कर रही है, जिसकी अनुमानित रेंज 150 से 160 किलोमीटर तक होगी. यह

मिसाइल भारत के अपग्रेडेड Mirage 2000 5 विमानों के साथ संगत होने की पुष्टि कर चुकी है. इसकी डिलीवरी 2028 29 के अंत तक संभावित है, जबकि पूरी तरह ऑपरेशनल क्लीयरेंस मिलने में परीक्षण और एकीकरण प्रक्रिया के चलते 3 से 4 साल अतिरिक्त लग सकते हैं. भारतीय वायुसेना के अपग्रेडेड मिराज 2000 विमानों में Thales RDY 2 ऑल वेदर सिंथेटिक अपर्चर रडार लगाया गया है. यह रडार 5 वर्ग मीटर रडार क्रॉस सेक्शन वाले फाइटर टारगेट को 120 से 140 किलोमीटर की दूरी से ट्रैक करने में सक्षम है. पहले के मिराज वेरिएंट में Thomson CSF RDM रडार था, लेकिन RDY 2 अब मल्टी मोड और बीवीआर युद्ध के लिए कहीं अधिक सक्षम माना जा रहा है।

पाकिस्तानी बिजनेसमैन मुर्तजा लखानी पर यूके ने लगाया बैन

यूनाइटेड किंगडम यानी यूके ने तेल ट्रेडिंग टाइकून मुर्तजा लखानी पर प्रतिबंध लगा दिया है. यूके की सरकार का मानना है कि लखानी की कंपनियां रूस के एनर्जी सेक्टर में काम कर

रही है. इस फैसले पर माना जा रहा है कि यूके और यूरोपीय संघ रूस पर रणनीतिक दबाव डालना चाहते हैं. यूके की सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा है कि लखानी एक पाकिस्तानी बिजनेसमैन है. उनकी रूसी एनर्जी सेक्टर में कथित भूमिका के लिए देश से प्रतिबंधित किया जाता है. वह अक्सर हमेशा लंदन को अपना बेस बताया करते थे. प्रतिबंधित फैसले में लखानी की कई बिजनेस कंपनियों को शामिल किया गया है. इनमें मर्केंटाइल एंड मैरीटाइम ग्रुप सहित कई कंपनियां शामिल हैं. यह कदम यूरोपीय संघ के तरफ से जारी नए प्रतिबंधित कानून के तहत लिया गया है. इधर, पूरे मामले में लखानी ने लिखित बयान जारी किया है. इसमें उसने सभी आरोपों से इंकार कर दिया है. उसने कहा है कि वह किसी भी लागू प्रतिबंध के कानून का उल्लंघन नहीं करते, न ही वो रूसी पेट्रोलियम उत्पादों का व्यापार करने वाले जहाजों के किसी भी शौडो फ्लीट के मालिक हैं।

ISRO ने ड्रोग पैराशूट का किया सफल परीक्षण

गगनयान मिशन की ओर एक और सफल कदम

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने चंडीगढ़ स्थित DRDO की टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लैबोरेटरी (TBRL) के रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड (RTRS) फेसिलिटी में गगनयान क्रू मॉड्यूल के लिए ड्रोग पैराशूट तैनाती की योग्यता परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है. इन परीक्षणों के माध्यम से विभिन्न उड़ान परिस्थितियों में ड्रोग पैराशूट की परफॉर्मेंस और विश्वसनीयता की पुष्टि की गई, जो मानव अंतरिक्ष उड़ान (मिशन गगनयान) कार्यक्रम के लिए पैराशूट सिस्टम को योग्य ठहराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इसरो ने शनिवार (20 दिसंबर, 2025) को एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि यह परीक्षण गुरुवार-शुक्रवार (18-19 दिसंबर, 2025) के दौरान किया गया. इसरो ने कहा कि दोनों परीक्षणों ने सभी पूर्व निर्धारित उद्देश्यों को पूरा किया, इससे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में ड्रोग परफॉर्मेंस और विश्वसनीयता की पुष्टि हुई.

मल्टी-स्टेज पैराशूट असेंबली में होते हैं 10 पैराशूट

गगनयान क्रू मॉड्यूल का डिसेलेरेशन सिस्टम एक जटिल, मल्टी-स्टेज पैराशूट असेंबली है, इसमें चार तरह के 10 पैराशूट शामिल होते हैं. यान की डिसेंट सीक्वेंस दो एपेक्स कवर सेपरेशन पैराशूट्स की तैनाती से शुरू होती है, जो पैराशूट कंपार्टमेंट के सुरक्षात्मक कवर को हटा देते हैं.

इसके बाद दोनों ड्रोग पैराशूट्स को तैनात किया जाता है, जो मॉड्यूल को स्टेबलाइज करते हैं और इसकी स्पीड को भी काफी करते हैं. वहीं, जब ड्रोग पैराशूट्स अपना काम सही तरीके से पूरा कर लेते हैं, तब इसके बाद तीन पायलट पैराशूट तैनात किए जाते हैं ताकि मुख्य पैराशूट को डिप्लॉय किया जा सके. ये मुख्य पैराशूट क्रू मॉड्यूल की स्पीड को और धीमा कर देते हैं, जो एक कंट्रोल्ड डिसेंट और सुरक्षित लैंडिंग को सुनिश्चित करती है.

ड्रोग पैराशूट की भूमिका बेहद अहम- इसरो

इसरो ने कहा, "इन चरणों में ड्रोग पैराशूट एक बेहद अहम भूमिका निभाते हैं. वे न सिर्फ वायुमंडल में फिर से एंट्री के बाद क्रू मॉड्यूल को स्टेबलाइज करने के लिए जिम्मेदार होते हैं, बल्कि इसकी स्पीड को मुख्य पैराशूट की तैनाती के लिए उपयुक्त लेवल तक कम करने के लिए भी जिम्मेदार होते हैं." जो अपनी नियमित ड्यूटी के साथ-साथ यह कार्य करेंगे। सरकार ने सभी कर्मियों को उचित मानदेय देने की भी व्यवस्था की है।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार, टीम इंडिया के सिपहसालार

उपकप्तान गिल टीम से बाहर, ईशान किशन की वापसी

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने टाइटल को बचाने उतरेगी. उपकप्तान शुभमन गिल और जितेश शर्मा को ड्राप किया गया है, ईशान किशन की 2 साल बाद टीम में वापसी हुई है. पिछले संस्करण (2024) भारत ने ये खिताब जीता था, जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा भी थे. दोनों दिग्गज टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन ऐसे 8 प्लेयर्स आगामी टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा हैं जो पिछले संस्करण चैंपियन टीम में भी शामिल थे.भारतीय क्रिकेट के हर फैन की यादों में वो तस्वीर होगी, जब सूर्यकुमार यादव ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में बॉउंड्री पर डेविड मिलर का कैच पकड़ा था. हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह ने अंत में शानदार गेंदबाजी की थी. सूर्या अब टी20 के कप्तान हैं, हार्दिक और बुमराह भी टी20 के महत्वपूर्ण प्लेयर हैं.

संजू सैमसन टी20 वर्ल्ड कप 2024 चैंपियन टीम का भी हिस्सा थे, हालांकि ऋषभ पंत को प्लेइंग 11 में खेल रहे थे. इस बार ऋषभ पंत स्क्वाड का हिस्सा नहीं हैं, तो मुख्य विकेटकीपर सैमसन ही होंगे. वह अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे.पिछले संस्करण में चैंपियन टीम का हिस्सा रहे मोहम्मद सिराज, युजवेंद्र चहल, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल आगामी टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा नहीं हैं, जबकि विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट ले चुके हैं.

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम

सूर्याकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम् दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, वाशिंगटन सुंदर, ईशान किशन (विकेटकीपर).

वो 8 प्लेयर्स, जो 2024 चैंपियन टीम का हिस्सा थे

संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, शिवम् दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव.

भारत का रास्ता रोक रहे तीन बड़े कारण

1. कोई देश लगातार 2 वर्ल्ड कप नहीं जीता

2007 में सबसे पहला टी20 वर्ल्ड कप खेला गया था, अब तक भारत और पाकिस्तान सहित कुल 6 देश टी20 विश्व विजेता बन चुके हैं. भारत, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ऐसे तीन देश हैं जिन्होंने 2 बार टी20 विश्व चैंपियन होने का तमगा हासिल किया है. मगर उनमें से कोई भी टीम लगातार दो वर्ल्ड कप टूर्नामेंट्स में ट्रॉफी नहीं उठा पाई थी.

2. कभी मेजबान देश नहीं जीता

अब तक टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन 9 बार हो चुका है, लेकिन कभी ऐसा नहीं हुआ है जब मेजबान देश ने टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाई हो. भारत ने इससे पहले 2016 में टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी, लेकिन टीम इंडिया उस साल सेमीफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी. अब तक भारत, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, श्रीलंका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप जीता है, लेकिन उनमें से किसी ने भी मेजबान रहते ट्रॉफी नहीं उठाई है.

3. कभी डिफेंड नहीं हुई ट्रॉफी

टी20 फॉर्मेट को अब तक कुल 6 अलग-अलग विश्व विजेता मिले हैं. 2007 में भारत पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बना, लेकिन अगले साल पाकिस्तान चैंपियन बना. पाकिस्तान भी 2010 में अपनी ट्रॉफी को डिफेंड नहीं कर पाया, क्योंकि अगली बार इंग्लैंड ने बाजी मारी. उसके बाद वेस्टइंडीज और फिर श्रीलंका विश्व विजेता बने. उसके बाद भी यही सिलसिला जारी रहा है कि जो टीम पिछली बार चैंपियन बनी थी, वो कभी अपने चैंपियन होने के टैग का बचाव नहीं कर पाई है.

चीन को समंदर में मिला एशिया का सबसे बड़ा सोने का भंडार

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी देश चीन के हाथ एक बड़ा जैकपॉट लगा है. दरअसल, चीन ने समंदर के नीचे सोने का अपना पहला

भंडार ढूंढ़ लिया है. शेडोंग प्रांत में लाइझोउ के तट पर सोने का यह विशालकाय भंडार हाथ लगा है. इसी के साथ लाइझोउ के पास अब सोने का भंडार 3900 टन (137.57 मिलियन औंस) से भी ज्यादा हो गया है, जो देश के टोटल गोल्ड रिजर्व का लगभग 26 परसेंट है. चीन अब सोने के भंडार और इसके उत्पादन दोनों ही मामलों में टॉप पर आ गया है. यानताई प्रांत की सरकार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए मौजूदा पांच साल की योजना के दौरान अपनी उपलब्धियों के बारे में बताया और अपने अगले प्लान का भी जिक्र किया. यकीनन चीन के लिए इस सोने के भंडार का मिलना एक बहुत बड़ी कामयाबी है क्योंकि चीन बीते कुछ सालों से लगातार कीमती धातुओं का पता लगाने के काम में जुटा हुआ है।

लाइफ इंश्योरेंस लेते समय रहे सावधान!

नई दिल्ली। आज के समय में इंश्योरेंस लेना बहुत जरूरी हो गया है. पर किसी इंश्योरेंस कंपनी को चुनने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए. ताकि बाद में किसी तरह की परेशानी न हो.....

1. सॉल्वेंसी रेश्यो

इंश्योरेंस कंपनी चुनते समय उसका सॉल्वेंसी रेश्यो जरूर देखना चाहिए. सॉल्वेंसी रेश्यो बताता है कि कंपनी के पास अपने ग्राहकों का क्लेम चुकाने के लिए पर्याप्त पैसा है या नहीं. सॉल्वेंसी रेश्यो जितना मजबूत होता है, उतनी ही कंपनी की आर्थिक हालत बेहतर मानी जाती है.सॉल्वेंसी रेश्यो इस बात की ओर इशारा करता है कि कंपनी क्लेम सेटल करने में ज्यादा समय नहीं लगाती है.

2. क्लेम सेटलमेंट रेश्यो

क्लेम सेटलमेंट रेश्यो का मतलब होता है कि, कंपनी के पास आए हुए क्लेम में से कंपनी ने कितने क्लेमों का भुगतान किया है. जिससे पता चलता है कि कंपनी क्लेम सेटल करने में कैसा प्रदर्शन करती है. इंश्योरेंस लेते समय क्लेम सेटलमेंट रेश्यो की जानकारी लेनी चाहिए.

3. परसिस्टेंसी रेश्यो

परसिस्टेंसी रेश्यो दिखाता है कि, इंश्योरेंस कंपनी के मौजूदा ग्राहकों की संख्या का कितना प्रतिशत समय पर अपना प्रीमियम भुगतान कर रहे हैं. इससे पता चलता है कि कंपनी अपने पॉलिसीधारकों को अच्छी सुविधा दे रही है या नहीं? इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने से पहले परसिस्टेंसी रेश्यो के बारे में जरूर पता करना चाहिए.

2026 में ये स्टॉक्स दे सकते हैं दमदार रिटर्न

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में पिछले कुछ दिनों से लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा हैं.

हालांकि, सप्ताह के आखिरी कारोबारी सेशन शुक्रवार को बाजार में तेजी देखने को मिली थी. बाजार जानकारों का मानना हैं कि, मार्केट में आई स्थिरता के कारण कुछ स्टॉक्स में लॉन्ग टर्म निवेश से नए मौके बन सकते हैं. ईटी नाउ स्वदेश में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार बाजार में इस समय गिरावट की वजह से मजबूत कंपनियों के शेयर सस्ती कीमत पर मिल रहे हैं. जिससे निवेश का एक मौका भी बन सकता है. जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के हेड गौरांग शाह ने ऐसे कुछ शेयरों के बारे में जानकारी दी हैं. आइए जानते हैं, आने वाले साल 2026 में किन कंपनी के शेयरों में तेजी रहने की उम्मीद हैं..

इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयर अपने 52 सप्ताह के निचले स्तर से करीब 10 फीसदी की रिकवरी के साथ 5,113 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहे हैं. डीजीसीए और सीसीआई जैसी रेगुलेटरी संस्थाओं की जांच के चलते पहले एविएशन कंपनी के स्टॉक पर दबाव देखने को मिला था.जिससे इसकी कीमतों में गिरावट दर्ज की गई थी. उस दौरान शेयर में जरूरत से ज्यादा बिकवाली हुई थी. गौरांग का मानना हैं कि, आने वाले दिनों में इसमें तेजी देखी जा सकती है.

अब न्यूक्लियर एनर्जी में होगी अडानी ग्रुप की धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली। दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी की अगुवाई वाली अडानी ग्रुप का कारोबार इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर एनर्जी, FMCG से लेकर लॉजिस्टिक्स और मीडिया, डिफेंस, एयरोस्पेस, माइनिंग जैसे तमाम सेक्टरों में फैला हुआ है. अब इसकी तैयारी न्यूक्लियर एनर्जी सेक्टर में एंट्री लेने की है. इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ बातचीत चल रही है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी का प्लान आठ 200-मेगावाट के स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMRs) बनाने का है. यह पहल एक ऐसे समय में की जा रही है, जब सरकार जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने की कोशिश में एनर्जी के सोर्स को डायवर्सिफाइ करना चाह रही है.

क्यों क्रेडिट कार्ड के लिए पीछे पड़े रहते हैं बैंक?

नई दिल्ली। मॉल में या शॉपिंग सेंटर में आपको लोग क्रेडिट कार्ड के लिए अप्रोच करते हुए दिख जाएंगे. इसके अलावा, फोन पर भी समय-समय पर क्रेडिट कार्ड के लिए कॉल आता रहता है. आखिर क्यों क्रेडिट कार्ड के लिए बैंक ग्राहकों से संपर्क करता है, क्यों लोगों को अकसर क्रेडिट कार्ड के फायदे गिनाकर इसके लिए अप्लाई करने के लिए कहा जाता है? आखिर इससे बैंक को क्या फायदा है? आइए बताते हैं.

तेजी से बढ़ रहा क्रेडिट कार्ड बिजनेस

भारत में क्रेडिट कार्ड का चलन तेजी से बढ़ रहा है. इस पर बैंक की तरफ से तरह-तरह के ऑफर्स भी दिए जाते हैं. क्रेडिट कार्ड का मतलब है यूजर इसके जरिए मार्केट में कहीं से भी कोई भी चीज क्रेडिट पर ले सकता है. पेमेंट के लिए लगभग 45 दिन का वक्त मिलता है. समय पर पेमेंट करने पर कैशबैक और रिवॉर्ड भी मिलते हैं. इससे यूजर को तो फायदा पहुंचता ही, लेकिन बैंक भी मुनाफे में रहता है.

कैसे बैंक की होती है कमाई?

RBI की डेटा के मुताबिक, भारत में 2025 की शुरुआत तक देश में एक्टिव क्रेडिट कार्ड की संख्या 11 करोड़ से ज्यादा हैं. क्रेडिट कार्ड बैंकों के लिए एक बिजनेस मॉडल की तरह है, जो इंटरेस्ट रेट और दूसरे चार्ज से प्रॉफिट कमाते हैं. कई बार समय पर इंटरेस्ट नहीं चुकाने पर बकाए पेमेंट पर 15-40 परसेंट तक इंटरेस्ट वसूला जाता है. इसके अलावा, क्रेडिट कार्ड एनुअल रिन्यूअल फीस, लेट पेमेंट फीस, इंटरचेंज फीस, कैश एडवांस फीस, बैलेंस ट्रांसफर फीस, EMI कन्वर्जन फीस के नाम भी बैंक की क्रेडिट कार्ड से अच्छी-खासी कमाई हो जाती है. यही वजह है कि बैंक कस्टमर्स की संख्या बढ़ाने और कन्ज्यूमर एक्सपेंस को बढ़ाने पर जोर देता है. जब आप क्रेडिट कार्ड से कोई सामान खरीदते हैं, तो बैंक उस मर्चेंट या दुकानदार से भी ट्रांजैक्शन का 1-3 परसेंट कमीशन लेता है. इसे ही इंटरचेंज फीस कहते हैं. इससे बैंक की कमाई होती है. जब आप क्रेडिट कार्ड से ATM या बैंक से पैसे निकालते हैं, तो विदड्रॉल अमाउंट पर 2.5-5 परसेंट तक की फीस ली जाती है और तो और इस पर तुरंत इंटरेस्ट लगना भी शुरू हो जाता है यानी कि कोई ग्रेस पीरियड नहीं मिलता।

एलन मस्क का 700 बिलियन डॉलर के पार

नई दिल्ली। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क साल 2021 से दुनिया के सबसे दौलतमंद आदमी बने हुए हैं. वह इतिहास में पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जिनका नेटवर्थ अब 700 बिलियन डॉलर के आंकड़े को भी पार कर चुका है. कोर्ट के एक फैसले के बाद एलन मस्क ने यह बड़ी जीत हासिल की. दरअसल, डेलावेयर सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल रद्द किए गए 139 बिलियन डॉलर के टेस्ला स्टॉक ऑप्शन को बहाल कर दिया. इस फैसले के बाद शुक्रवार देर रात मस्क की नेटवर्थ बढ़कर लगभग 749 बिलियन डॉलर हो गई. साल 2018 में कंपनी को नए मुकाम पर ले जाने के लिए उन्हें टेस्ला ने 55 अरब डॉलर की सैलरी पैकेज दी थी. ये पैसे उन्हें तभी मिलने थे, लेकिन नहीं मिले. उस वक्त टेस्ला की हालत अभी जैसी नहीं थी, उसका मार्केट वैल्यूएशन 50 से 75 अरब डॉलर के करीब था. कंपनी को इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के प्रोडक्शन में पैसे खर्च करने पड़ रहे थे।

साप्ताहिक शहर सत्ता

कांग्रेस नेता, सांसद सेंथिल ने किया मोदी शाह पर पलटवार

मनरेगा की हत्या- मोदी सरकार ने काम का अधिकार छीना - सेंथिल

- **नेशनल हेराल्ड "केस"पर कहा मोदी और शाह को इस्तीफा देना चाहिए**

शहर सत्ता/रायपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सदस्य एस. सेंथिल ने राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, प्रभारी सचिव विजय जांगिड की उपस्थिति में मनरेगा कानून में परिवर्तन और नेशनल हेराल्ड मामले में पत्रकारवार्ता को संबोधित किया। मोदी सरकार ने "सुधार" के नाम पर लोकसभा में एक और बिल पास करके दुनिया की सबसे बड़ी रोज़गार गारंटी स्कीम मनरेगा को खत्म कर दिया है। यह महात्मा गांधी की सोच को खत्म करने और सबसे गरीब भारतीयों से काम का अधिकार छीनने की जान-बूझाकर की गई कोशिश है। मनरेगा गांधीजी के ग्राम स्वराज, काम की गरिमा और डिसेंट्रलाइज्ड डेवलपमेंट के सपने का जीता-जागता उदाहरण है, लेकिन इस सरकार ने न सिर्फ़ उनका नाम हटा दिया है, बल्कि 12 करोड़ NREGA मज़दूरों के अधिकारों को भी बेरहमी से कुचला है। दो दशकों से, NREGA करोड़ों ग्रामीण परिवारों के लिए लाइफलाइन रहा है और COVID -19 महामारी के दौरान आर्थिक सुरक्षा के तौर पर ज़रूरी साबित हुआ है। 2014 से, PM मोदी मनरेगा के बहुत खिलाफ़ रहे हैं। उन्होंने इसे "कांग्रेस की नाकामी की जीती-जागती निशानी" कहा था। पिछले 11 सालों में, मोदी सरकार ने MNREGS को सिस्टमेटिक तरीके से कमज़ोर किया है, कमज़ोर किया है और उसमें तोड़फोड़ की है, जॉब कार्ड हटाने और आधार बेस्ड पेमेंट की मजबूरी के ज़रिए लगभग सात करोड़ मज़दूरों को बाहर करने तक। इस जानबूझकर किए गए दबाव के नतीजे में, पिछले पांच सालों में मनरेगा हर साल मुश्किल से 50-55 दिन काम देने तक सिमट गया है।

इंडियन नेशनल कांग्रेस की लड़ाई बिना रुके जारी रहेगी

लोकतंत्र, संविधान और ED समेत हर इंस्टीट्यूशन को BJP के चंगुल से बचाने के लिए इंडियन नेशनल कांग्रेस की लड़ाई बिना रुके और पूरे जोश में जारी है। 140 Cr भारतीयों को एहसास हो गया है कि नेशनल हेराल्ड "केस" में BJP के आरोप झूठ का पुलिंदा, प्रोपेगेंडा और अपने पॉलिटिकल विरोधियों को किसी तरह कटघरे में खड़ा करने की एक पतली-सी कोशिश के अलावा और कुछ नहीं हैं। पत्रकारवार्ता में पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, शैलेश नितिन त्रिवेदी, प्रभारी महामंत्री सकलेन कामदार, पंकज शर्मा, वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, घनश्याम राजू तिवारी आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस का रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर समेत कई जगह हुआ आक्रामक प्रदर्शन

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने हर ज़िले में नेशनल हेराल्ड केस को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर समेत कई शहरों में प्रदर्शन आक्रामक है। बेरीकेड्स गिराए जा रहे हैं, पुलिस से झूमाझटकी की सूचनाएँ भी आ रही हैं। कांग्रेसी जगह-जगह भाजपा कार्यालयों को घेरने का प्रयास भी कर रहे हैं।

राजधानी रायपुर में पंडरी में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता पहुंचे तथा प्रदर्शन शुरू किया। सभी नारेबाजी करते हुए भाजपा कार्यालय घेरने जा रहे हैं। इस दौरान पूर्व सीएम भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत और पीसीसी चीफ दीपक बैज भी मौजूद रहे। भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। इसी तरह, दुर्ग में कांग्रेसी भाजपा कार्यालय का घेराव करने निकले हैं। शनिचरी बाजार के पास लगाई गई पहली लेयर की बैरिकैडिंग तोड़कर कांग्रेसी आगे बढ़ गए हैं। प्रदर्शन में भूपेश बघेल तथा अरुण वोरा सहित कई नेता शामिल हैं। बिलासपुर और रायगढ़ से भी इसी तरह के आक्रामक प्रदर्शन की सूचना भी मिल रही है।

मोदी सरकार के नए श्रम कानून को कांग्रेस ने बताया मजदूर विरोधी

शहर सत्ता/रायपुर। श्रम कानूनों में परिवर्तन मोदी सरकार का कॉरपोरेट परस्त नीतियों का प्रत्यक्ष उदाहरण है, देश के मेहनतकश मजदूरों के साथ छल किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मजदूर संगठनों के कड़े विरोध के बावजूद केंद्र सरकार ने कॉर्पोरेट हित में मजदूरों को गुलाम बनाना चाहती है। 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को रद्द करके 4 श्रम संहिता मनमानी पूर्वक थोपना श्रमिकों पर अत्याचार है। काम के घंटे 8 से बढ़ाकर 12 कर दिया गया, कारखानों में महिला कामगारों की अनिवार्य सुविधाएं ख़त्म कर दी गई, 100 से अधिक संख्या में कार्यरत मजदूरों के लिए विशेष संरक्षण को परिवर्तित कर 300 मजदूर कर दिया गया, नया कानून मजदूरों के जीवन और आजीविका को संकट में डालने वाला है।

पीसीसी चीफ दीपक बैज बोले कॉरपोरेट को फायदा पहुंचाने मजदूरों के साथ भाजपा ने किया छल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि श्रम नीति 2025 का मसौदा केवल कॉर्पोरेट परस्त नीतियों पर आधारित है मेहनतकश जनता के हितों के खिलाफ है। इस नई श्रम संहिताओं का आधार ही मजदूरों का शोषण और गुलामी है।

कांग्रेस बोली-छत्तीसगढ़ में मेडिकल PG के 'जीरो ईयर' की आशंका

नियमों में बार-बार बदलाव से काउंसलिंग अटकी; मामला सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में मेडिकल कॉलेजों की स्नातकोत्तर (PG) भर्ती प्रक्रिया को लेकर स्थिति साफ नहीं है। कांग्रेस ने आशंका जताई है कि अगर मौजूदा हालात बने रहे, तो इस साल PG में 'जीरो ईयर' की स्थिति बन सकती है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि पिछले करीब तीन महीनों से PG काउंसलिंग चल रही है, लेकिन इस दौरान नियमों में बार-बार बदलाव किए गए।

कांग्रेस का कहना है कि इससे छात्रों में भ्रम की स्थिति बनी और मामला अब सुप्रीम कोर्ट और बिलासपुर हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। कांग्रेस के मुताबिक, अखिल भारतीय मेरिट लिस्ट जारी होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने राज्य कोटे की सीटों में बदलाव किया, जिससे छत्तीसगढ़ में MBBS कर चुके छात्रों का कोटा घटकर 25 प्रतिशत रह गया। विपक्ष का दावा है कि यह व्यवस्था देश के कई अन्य राज्यों में अपनाई जा रही प्रक्रिया से अलग है।

राज्य कोटे की सीटें 50% से घटकर 25 प्रतिशत ही

बता दें कि, राज्य सरकार ने हाल ही में गजट नोटिफिकेशन जारी कर मेडिकल स्नातकोत्तर (पीजी) प्रवेश नियम 2025 में संशोधन किया है। नए नियम लागू होते ही राज्य कोटे की सीटों को 50 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत कर दिया गया है, जिसके चलते मेडिकल छात्रों और जूनियर डॉक्टरों में असंतोष है। पहले प्रदेश के सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में आधी सीटें सिर्फ उन छात्रों के लिए थीं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ में एमबीबीएस किया है, लेकिन अब इन सीटों में भी बाहरी छात्रों को मौका मिलेगा। डॉ. गुप्ता ने कहा कि इसी कारण कुछ छात्र न्याय की मांग को लेकर अदालत पहुंचे हैं।

कांग्रेस को झटका, भाजपा को मिली ताकत

जनपद सदस्य रेवाशंकर साहू ने कांग्रेस को कहा अलविदा, समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

सीपत। ग्राम गतौरा में रविवार को आयोजित विधानसभा स्तरीय एसआईआर कार्यशाला राजनीतिक दृष्टि से ऐतिहासिक साबित हुई, जब जनपद सदस्य एवं कबड्डी संघ के मस्तूरी ब्लॉक अध्यक्ष रेवाशंकर साहू ने कांग्रेस को अलविदा कहकर सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर क्षेत्र में भाजपा के प्रति जबरदस्त उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, जिला महामंत्री एस. कुमार मनहर एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री चंद्रप्रकाश सूर्या की गरिमामयी उपस्थिति रही। एसआईआर सम्मेलन के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने जनपद सदस्य रेवाशंकर साहू सहित उनके समर्थकों को भाजपा गमछा व माला पहनाकर पार्टी में विधिवत प्रवेश कराया। भाजपा में शामिल होने वालों में जनपद सदस्य रेवाशंकर साहू के साथ प्रदीप कुमार राठौर, सुभाष साहू, श्याम कुमार, मुकेश साहू, शुभम राठौर, नंदकिशोर राठौर, खिलेश राठौर, नीलेश राठौर, साहिल वस्त्रकार, दीपक पटेल, दुर्गेश साहू, राजू साहू, भजोलाल, श्यामलाल यादव, कृष्ण कुमार कुम्हार, मंगल, संदीप, शिवनारायण साहू, गजेंद्र पटेल, मोनू साहू, धनेश्वर प्रसाद राठौर सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इसे क्षेत्र में भाजपा के लिए एक बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा रहा है।

इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि भाजपा आज देश की सबसे बड़ी और विश्वसनीय पार्टी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। जनपद सदस्य रेवाशंकर साहू एवं उनके साथियों का भाजपा में आना संगठन को और मजबूत करेगा। इनके अनुभव और जनाधार से पार्टी को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। भाजपा में प्रवेश के बाद जनपद सदस्य रेवाशंकर

साहू ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की जनहितकारी योजनाओं, गरीब-किसान-युवा हितैषी नीतियों और सुशासन से प्रभावित होकर मैंने भाजपा का दामन थामा है। मेरा उद्देश्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करना है। भाजपा ही वह पार्टी है जो अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का कार्य करती है। रेवाशंकर साहू के भाजपा प्रवेश के बाद जिला कार्यसमिति सदस्य राधेश्याम मिश्रा, पिछड़ा वर्ग जिला महामंत्री यदूराम साहू, गतौरा सरपंच श्रीमती मीना वस्त्रकार, जनपद सदस्य अंजनी पटेल, उषा केवट, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल, महामंत्री आशीष बांकरे सहित अनेक पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दीं।

“प्रोजेक्ट संकल्प” संवर रहा आश्रम-छात्रावासों के बच्चों का भविष्य

शैक्षणिक, रचनात्मक गतिविधियों, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास

शहर सत्ता/रायपुर। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा प्रदेश में प्रारंभ किए गए ‘प्रोजेक्ट संकल्प‘ के माध्यम से आश्रम छात्रावासों में रहकर अध्ययन कर रहे बच्चों का भविष्य संवर रहा है। विभाग की इस नई पहल से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक के साथ नैतिक, सामाजिक एवं जीवन कौशल से भी सशक्त बनाया जा रहा है। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने आज यहां बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश एवं विभागीय मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में छात्रावासी बच्चों के भविष्य को नई उड़ान देने के उद्देश्य से यह अभिनव पहल की गई है।

प्रमुख सचिव ने कहा; छोटा बीज बड़े वृक्ष का बनता है आधार

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा कि जिस प्रकार छोटा बीज बड़े वृक्ष का आधार बनता है उसी प्रकार एक छोटी सकारात्मक पहल समाज में क्रांति ला सकती है। यदि विद्यार्थी को प्रारंभ से ही उच्च आदर्शों पर आधारित शिक्षा प्राप्त होगी तो वह आगे चलकर समाज एवं राष्ट्र में अपना सकारात्मक योगदान देने में सक्षम होगा। प्रोजेक्ट संकल्प” इसी कड़ी में “ एक महत्वपूर्ण प्रयास है। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि इस पहल के अंतर्गत छात्रावासों में अध्ययनरत बच्चों के शैक्षणिक अध्ययन के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों, अनुशासन, जीवन कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। छात्र-छात्राओं को सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण भोजन, नियमित शैक्षणिक सहयोग तथा खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसमें हैदराबाद के सुप्रसिद्ध प्रेरक वक्ता श्री नंद जी द्वारा निस्वार्थ भाव से प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

छोटी सकारात्मक पहल बच्चों के जीवन में ला सकती है बड़ा परिवर्तन

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि प्रोजेक्ट संकल्प के प्रथम चरण के अंतर्गत 16 से 18 अक्टूबर 2025 को रायपुर में सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास के साथ एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। छात्रावास-आश्रमों से जुड़ी सामान्य एवं व्यवहारिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई एवं उनके सकारात्मक सरल एवं प्रभावी निदान श्री नंद द्वारा बताए गए। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों के मानसिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास को लेकर उपयोगी सुझाव साझा किए गए। इसी कड़ी में आज पोस्ट मैट्रिक छात्रावास-आश्रमों के अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर श्री बोरा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि “एक छोटी-सी सकारात्मक पहल भी बच्चों के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकती है।

बच्चों में पैदा हुआ नया उत्साह एवं आत्मविश्वास

प्रोजेक्ट संकल्प के माध्यम से किए जा रहे प्रयासों से अब छात्रावासों में रह रहे बच्चों में नया उत्साह एवं आत्मविश्वास पैदा हुआ है। अब वे आगे बढ़ते हुए न केवल शैक्षणिक उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं, बल्कि जीवन के रंग और खुशियाँ भी सीख रहे हैं। शिक्षक एवं छात्रावास अधीक्षक बच्चों को सीखने-सिखाने की संस्कृति से जोड़ते हुए उन्हें समाज का जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। आदिम जाति विकास विभाग का यह प्रयास विशेष रूप से दूरस्थ और आदिवासी अंचलों के बच्चों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। इस अभिनव पहल से शिक्षा को संवेदनशीलता और सकारात्मक सोच के साथ जोड़ने से छात्रावास भी बच्चों के खुशहाल जीवन की मजबूत नींव बन रहा हैं।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 2025 51 हजार बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 2025 का भव्य शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

शहर सत्ता/रायपुर। जिला अस्पताल, एमसीबी में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 2025 का भव्य एवं विधिवत शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया गया। 51 हजार बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य, 542 बूथ और 1800 कर्मियों की तैनाती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 51 हजार बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान 21, 22 एवं 23 दिसंबर तक तीन दिनों तक चलेगा। प्रथम दिन सभी बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है, जबकि दूसरे एवं तीसरे दिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाकर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करेंगी। इसके लिए जिले भर में कुल 542 बूथ बनाए गए हैं तथा लगभग 1800 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

जिला अस्पताल का निरीक्षण, बच्चों को फ्रूट बास्केट वितरण

अभियान के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिला अस्पताल का निरीक्षण भी किया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजेन्द्र राय द्वारा उन्हें मरीजों की संख्या, मरीजों के आवागमन, वर्तमान में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। जायसवाल ने अस्पताल में आवश्यक सुविधाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए तथा आश्वासन दिया कि जो उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं रायपुर और बिलासपुर में उपलब्ध हैं, वे भविष्य में एम.सी.बी. जिले में भी उपलब्ध कराई जाएंगी। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में भर्ती बच्चों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना और उन्हें फ्रूट बास्केट का वितरण किया।

दिव्यांग युवक–युवती परिचय सम्मेलन में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने की शिरकत

विकलांग नहीं, दिव्यांगजन कहकर करें संबोधन : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

शहर सत्ता/रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि दिव्यांगजन समाज की मुख्यधारा का अभिन्न अंग हैं और उनके प्रति संवेदनशील सोच व सम्मानजनक भाषा का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। वे अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद (छत्तीसगढ़ प्रांत) के तत्वावधान में आशीर्वाद भवन, बैरन बाजार, रायपुर में आयोजित 16वें राज्य स्तरीय विवाह योग्य युवक–युवती परिचय सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मेलन केवल परिचय का मंच नहीं, बल्कि दिव्यांग युवक–युवतियों को गरिमापूर्ण वैवाहिक जीवन की ओर अग्रसर करने का सार्थक प्रयास है। उन्होंने जानकारी दी कि सम्मेलन में सहमति बनने वाले जोड़ों का सामूहिक विवाह 28 फरवरी 2026 एवं 01 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सम्मेलन की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि इसमें सामान्य युवक–युवतियाँ भी शामिल हुए, जो दिव्यांगजनों से विवाह के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे आए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कार्यक्रम के दौरान एक महत्वपूर्ण सामाजिक अपील करते हुए कहा कि “विकलांग” के स्थान पर “दिव्यांगजन” शब्द का प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मान और आत्मबल को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से “दिव्यांगजन” शब्द के प्रयोग का आग्रह किया है। शब्द हमारी सोच और संवेदना को दर्शाते हैं, इसलिए समाज को सम्मानजनक भाषा अपनानी चाहिए। कार्यक्रम में विधायक माननीय पुरंदर मिश्रा, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ.विनय पाठक, चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. विनोद पाण्डेय, अग्रवाल समाज अध्यक्ष विजय अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक विरेंद्र पाण्डेय सहित नागरिक उपस्थित रहे।

विशेष रूप से तैयार की गयी कैरा वैन होगी पर्यटन आकर्षण का केंद्र, छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के सहयोग से पर्यटन को नए आयाम मिला

रायपुर में पहली बार “केरा वैन फेस्ट” होस्ट

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यटन को नए आयाम देने की दिशा में एक अनूठी पहल के रूप में “कैरा वैन फेस्ट“ का आयोजन 22 दिसंबर 2025 को अरन्यम्म रिसॉर्ट, माना बस्ती, माना तूता रोड, रायपुर में किया जा रहा है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रायोजन में तथा ओवरलैंडर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से संपन्न होगा। इस आयोजन की थीम है-“अ शार्ट जर्नी इन टू द हार्ट ऑफ छत्तीसगढ़।" शाम 4 बजे से 8 बजे तक चलने वाले इस विशेष फेस्टिवल में एडवेंचर, नेचर और संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। कैरा वैन फेस्ट का उद्देश्य छत्तीसगढ़ को कैरा वैन टूरिज्म, कैंपिंग और अनुभवात्मक यात्रा के एक नए और आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं हैं, नाइट कैंपिंग, स्टारगेजिंग, बॉलीवुड म्यूजिक और स्थानीय छत्तीसगढ़ी व्यंजन हैं। यह कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क है और इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य रखा गया है।

विशेष प्रकार का वाहन है कैरावैन

कैरावैन एक विशेष प्रकार का वाहन होता है जो कैंपिंग और लंबी यात्राओं के लिए तैयार किया जाता है, जिसमें रहने, खाने-पीने और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था होती है। यह स्व-निर्भर यात्रा का प्रतीक है, जहां यात्री बिना होटल पर निर्भर हुए सड़क मार्ग से दूरस्थ स्थानों का भ्रमण कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ पर्यटन के संदर्भ में, विशेष रूप से तैयार की गई कैरावैन इस फेस्ट का मुख्य आकर्षण होगी, जो राज्य की प्राकृतिक सुंदरता को अनुभवजन्य तरीके से पेश करेगी।

राज्य के जंगलों, झरनों और पर्यटन क्षेत्रों तक पहुंच आसान

कैरावैन पर्यटन से राज्य के जंगलों, झरनों और पर्यटन क्षेत्रों तक पहुंच आसान होगी, जिससे अनुभवजन्य यात्रा को बढ़ावा मिलेगा। यह युवा घुमक्कड़ों और स्थलयात्रा समुदाय (ओवरलैंडिंग कम्युनिटी) को आकर्षित कर पर्यटन आय बढ़ाएगा। आने वाले समय में कैरावैन रूट्स विकसित होने से स्थानीय रोजगार और इको-टूरिज्म को मजबूती मिलेगी। यह फेस्ट खास तौर पर युवाओं, ट्रैवल एंथूजियास्ट्स और ओवरलैंडिंग कम्युनिटी के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे लोग छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, शांति और सांस्कृतिक विविधता को एक नए अनुभव के साथ महसूस कर सकेंगे।

एनएम इवेंट्स को आयोजन का जिम्मा

कार्यक्रम का आयोजन एनएम इवेंट्स द्वारा किया जा रहा है। अरन्यम्म रिसॉर्ट इस आयोजन का हॉस्पिटैलिटी पार्टनर है और इवेंट एंड एंटरटेनमेंट मैनेजमेंट एसोसिएसन ऑफ छत्तीसगढ़ द्वारा समर्थित है। आयोजकों ने ट्रैवल ब्लॉगर्स, एडवेंचर प्रेमियों, मीडिया प्रतिनिधियों और आम नागरिकों से इस अनूठे आयोजन में शामिल होकर छत्तीसगढ़ के “दिल” की इस छोटी लेकिन यादगार यात्रा का हिस्सा बनने का आग्रह किया है।

'अवतार फायर एंड ऐश' बनी सबसे बड़ी ओपनिंग वीकेंड वाली हॉलीवुड फिल्म

'अवतार फायर एंड ऐश' ओपनिंग वीकेंड के दूसरे दिन इंडिया में रिलीज हुई मार्वल की सभी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ चुकी है. अब तीसरे दिन यानी आज फिल्म ने शुरुआती घंटों में ही डीसी की 'सुपरमैन 3डी' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी तोड़ दिया.बात यहीं नहीं रुकी, फिल्म के सामने अब 2025 की टॉप 10 हॉलीवुड फिल्मों के इंडियन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के रिकॉर्ड भी खतरे में आ गए हैं. तो चलिए जानते हैं पंडोरा की कहानी इंडियन्स को कितनी पसंद आ रही है.

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

जेम्स कैमरून के डायरेक्शन में बनी फिल्म ने ओपनिंग डे पर 19 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया और इस साल इंडिया में रिलीज हुई सभी हॉलीवुड फिल्मों के ओपनिंग डे रिकॉर्ड तोड़ दिए. दूसरे दिन फिल्म का कलेक्शन और बढ़ा और ये बढ़कर 22.25 करोड़ रुपये हो गया.अब तीसरे दिन यानी आज फिल्म ने 6:20 बजे तक 18.7 करोड़ रुपये कलेक्ट करते हुए टोटल 59.95 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं. सैक्निल्क पर उपलब्ध आज का डेटा फाइनल नहीं है. इसमें बदलाव हो सकता है.बता दें कि ये फिल्म सैक्निल्क के मुताबिक 2 दिनों में वर्ल्डवाइड 1250 करोड़ रुपये कमा चुकी है यानी 'धुरंधर' की अब तक की वर्ल्डवाइड कमाई जो करीब 790 करोड़ रुपये है, से भी बहुत ज्यादा.

फिल्म ने तोड़े ये रिकॉर्ड

'अवतार 3' ने दूसरे दिन मार्वल की 'थंडरबोल्ट्स' और 'द फैंटास्टिक फोर फर्स्ट स्टेप्स' का लाइफटाइम कलेक्शन पार किया और तीसरे दिन 'सुपरमैन 3डी' (49.53 करोड़) को पीछे छोड़ाइसके बाद फिल्म ने फाइनल डेस्टिनेशन ब्लडलाइन्स को भी पीछे छोड़ चुकी है. हॉरर जॉनर की इस फिल्म ने इंडिया में 63.02 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था.

अनन्या पांडे के पास धांसू फिल्मों की कतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडेइन दिनों वो अपनी अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को लेकर चर्चा में हैं. अनन्या के पास इस समय दो शानदार रोमांटिक फिल्में पाइपलाइन में हैं. आइए जानते हैं अनन्या पांडे के ये प्रोजेक्ट्स कब रिलीज होंगे.

तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी

'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' क्रिसमेस पर 25 दिसंबर को बड़े पर्दे पर आ रही है.हालांकि पहले फिल्म 31 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी.इस रोमांटिक फिल्म में अनन्या पांडे एक्टर कार्तिक आर्यन के साथ इश्क फरमाती दिखेंगी.'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को समीर विद्वंस ने डायरेक्ट किया है.फिल्म में नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ भी अहम किरदार में दिखाई देंगे.Ananya Panday के पास धांसू प्रोजेक्ट्स की कतार, इन दो फिल्मों से मचाएंगी धमाल, सीरीज में भी आएंगी नजर

चांद मेरा दिल

अनन्या पांडे के पास करण जौहर की दूसरी रोमांटिक फिल्म 'चांद मेरा दिल' भी है.इस फिल्म में एक्ट्रेस के साथ लक्ष्य बतौर लीड एक्टर नजर आएंगे.मेकर्स ने नवंबर 2024 में 'चांद मेरा दिल' से कई पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म अनाउंस की थी. ये फिल्म पहले 2025 में ही रिलीज होने वाली थी.हालांकि अब 'चांद मेरा दिल' 10 अप्रैल 2026 को थिएटर्स में दस्तक देगी।

'धुरंधर' एक्टर ने दिया ऋतिक को करारा जवाब

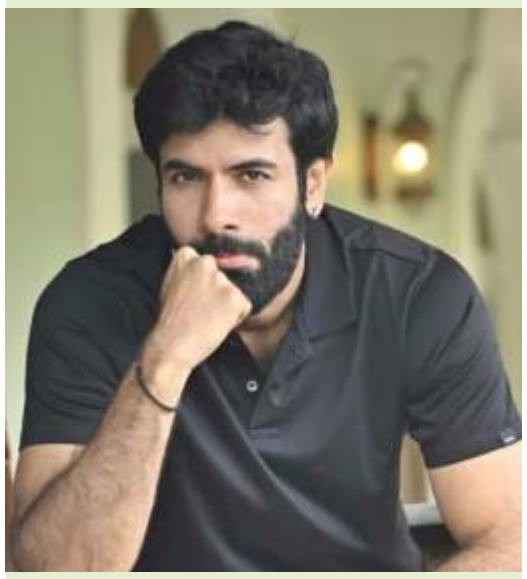

'धुरंधर' को लेकर कई लोग काफी सारी बातें लिख-बोल रहे हैं. अब अपनी फिल्म से जुड़ी तमाम टिप्पणियों पर एक्टर दानिश पंडोर का रिएक्शन सामने आया है. एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने ऋतिक द्वारा किए गए कमेंट पर कहा, 'ये बहुत ही व्यक्तिगत बात है. कुछ चीजें तुम्हें पसंद आएंगी, मुझे नहीं, और इसके उलट भी हो सकता है."जहां तक पॉलिटिक्स की बात है, ये सब रिसर्च वाली चीजें हैं. यहां तक कि अगर आप 26/11 के हमले को ध्यान में रखो, तो भी आप इनकार नहीं कर सकते. वो हुआ था और हैंडलर्स और आतंकवादियों की वॉइस नोट्स स्क्रीन पर थे, वो सच में रोंगटे खड़े कर देते हैं, और साथ ही इंसान को बहुत निराश कर देते हैं, आखिर उन्होंने किया क्या था.' दानिश ने आगे कहा, 'अंदर बहुत सारे बंधक थे. जब सब कुछ मीडिया के जरिए देख रहे थे, टीवी पर चल रहा था, तो उस वक्त समझ नहीं आ रहा था कि वो लोग अंदर क्या-क्या झेल रहे होंगे. लेकिन जैसे ही वो वॉइस नोट सुना, जो स्क्रीन पर दिखाया जा रहा है, तुरंत दिल पसीज गया. फौरन हमें उनका दर्द महसूस हो गया. और सोचो, अगर हम खुद उस वक्त वहां होते तो क्या होता? दूसरों की जगह खुद को रखकर सोचना बहुत जरूरी है।

अमिताभ बच्चन के साथ कॉफी पीना चाहती हैं श्रद्धा

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने हाल ही में कौन बनेगा करोड़पति के एक एपिसोड पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. शो में एक कंटेस्टेंट ने अमिताभ बच्चन से कहा था कि वह श्रद्धा कपूर की सबसे बड़े फैन है.इस पर श्रद्धा ने मजेदार अंदाज में कहा कि असल में वह खुद अमिताभ बच्चन की सबसे बड़ी फैन हैं. श्रद्धा ने यह भी कहा कि अगर मौका मिले तो वह अमिताभ बच्चन के साथ कॉफी पीना चाहेंगी. उनका यह रिएक्शन सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है.दरअसल शो के दौरान कंटेस्टेंट ने अमिताभ बच्चन से कहा, 'मुझे लगता है मेरे जैसा क्रेज़ी फैन श्रद्धा जी का कोई हो ही नहीं सकता. सर, छोटा मुंह बड़ी बात हो जाएगी लेकिन मैं श्रद्धा जी को सिर्फ एक बार डेट पर ले जाना चाहूंगा.' अमिताभ बच्चन ने कंटेस्टेंट से पूछा कि क्या आप जानते है कि श्रद्धा कपूर के पिता कौन हैं. कंटेस्टेंट ने जवाब दिया कि हां, उन्हें पता है कि वह शक्ति कपूर हैं, जो क्राइममास्टर गोगो के नाम से भी जाने जाते हैं.इस पर अमिताभ बच्चन मुस्कुराए और कैमरा की ओर देखकर श्रद्धा कपूर से कहा कि अगर वह शो देख रही हैं, तो कंटेस्टेंट के ऑफर पर विचार करें और उनके साथ डेट पर जाकर कॉफी पिएं. फैन भी मुस्कुराया और एक्टर का धन्यवाद किया. यह मजेदार क्लिप सोनी टीवी के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी साझा की गई थी. जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

चारों खाने चित हो गईं 'पुष्पा 2' और 'छावा'

'धुरंधर' ने एक तीर से किए दो शिकार

'धुरंधर' 5 दिसंबर को रिलीज होने के बाद से अब तक बॉक्स ऑफिस पर अपना जादुई इफेक्ट कायम रख पाने में कामयाब हो पा रही है. फिल्म का फर्स्ट संडे कलेक्शन 43 करोड़ रहा और इस दिन कोई खास रिकॉर्ड नहीं बन पाया.पहले संडे सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली टॉप फिल्म में इसे 13 वीं जगह मिली. फिल्म को रिलीज हुए आज 17 दिन हो चुके हैं और आज फिल्म अपने तीसरे संडे के लिए बॉक्स ऑफिस पर नोट बटोर रही है.

कमाल बात ये है कि पहले संडे कोई खास रिकॉर्ड न बना पाने वाली आदित्य धर की ये फिल्म अगले दोनों रविवार को सबसे ज्यादा कमाई करने वाली सभी फिल्मों को पीछे कर चुकी है. तो पहले फिल्म का अब तक का कलेक्शन जानते हैं फिर वो रिकॉर्ड भी जानेंगे जो हर रविवार बन रहा है. फिल्म ने पहले हफ्ते में 207.25 करोड़ और दूसरे हफ्ते में 253.25 करोड़ रुपये कमाए. 15वें और 16वें दिन फिल्म की कमाई 22.5 और 34.25 करोड़ रही. वहीं आज 6:20 बजे तक इस स्पाई थ्रिलर एक्शन एडवेंचर फिल्म ने 28.8 करोड़ कमाते हुए टोटल 546.5 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं.बता दें कि सैक्निल्क पर उपलब्ध आज का डेटा फाइनल नहीं है. इसमें बदलाव हो सकता है.

'धुरंधर' ने 'छावा' और 'पुष्पा 2' दोनों को थर्ड संडे दे दी मात!

धुरंधर पहले संडे भले सिर्फ 43 करोड़ कमा पाई थी, लेकिन फिल्म का नशा आने वाले टाइम में बढ़ता चला गया. दूसरे संडे फिल्म ने 58 करोड़ कमाते हुए 'पुष्पा 2' के सेकेंड संडे हाईएस्ट कलेक्शन वाले रिकॉर्ड को ब्रेक कर दिया. अल्लू अर्जुन की फिल्म ने हिंदी 54 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था.थर्ड संडे भी 'धुरंधर' सबसे ज्यादा कमाई वाली हिंदी फिल्म बनने वाली है. इसके लिए फिल्म सबसे पहले विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' को लिस्ट से दूसरे नंबर पर तीसरे नंबर पर खिसका चुकी है. विक्की कौशल की फिल्म ने थर्ड संडे 24.25 करोड़ कमाए थे. इसके बाद 'धुरंधर' अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' से नंबर 1 का ताज भी छीन चुकी है. बता दें कि 'पुष्पा 2' ने थर्ड संडे को 26.75 करोड़ कमाए थे और अब रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना की फिल्म इससे काफी आगे निकल चुकी है. सैक्निल्क पर उपलब्ध डेटा के मुताबिक फिल्म ने 16 दिनों में 790.75 करोड़ रुपये का धाकड़ वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है. वो भी ऐसे समय में जब दुनियाभर के सिनेमाघरों में हॉलीवुड फिल्म 'अवतार फायर एंड ऐश' आ धमकी है.

छत्तीसगढ़ी पुरखौती सिंगार हमर संस्कृति में

डॉ. नीलकंठ देवांगन

गहना शरीर के सुंदरता बढ़ाथे। अलग अलग अंग के अलग अलग बनावट अउ आकार प्रकार के आकर्षक गहना होथे। ये गहना जेन ल जेवर, लोक आभूषन किथें, महिला मन के सिंगार आय । आदिवासी अंचल में खास प्रचलन हे । ये चांदी, सोना, पीतल, कांसा तांबा, गिलट के बनाय जाथे। सुनार, मलार, पटवा, पड़वा इंखर शिल्पी होथें । ये पूरखौती पारंपरिक गहना केवल सिंगार सजावट भर के वस्तु नोहैं, इंखर सांस्कृतिक सामाजिक आर्थिक महत्व है। ये हमर राज्य के संस्कृति अउ परंपरा के पहिचान हैं, पुरखौती विरासत हैं। परब तिहार, खास मौका, सांस्कृतिक आयोजन में ज्यादातर पहने जाथे । ये स्वास्थ्य बर घलो अच्छा होथे । अंग विशेष के संपर्क स्पर्श मं रहिथे, खून के दौरा बने रथे, स्वास्थ्य ठीक रिथे। अलग अंग के अलग गहना -

गला - रुपिया, सुर्रा, मोहर, पुतरी, सूंता, गहूंदाना, ताबीज, ढोलकी, औंरीदाना, हमेल, बेला, हंसली, कंठी, माला, संकरी

पांव - गोड़ चूरा, टोंड़ा, कांटादार टोड़ा, लच्छा, छुट्टा लच्छा, पैरी, सांटी, पैरपट्टी, पायजन, बिछिया

हाथ कलाई बाजू उंगली - चूड़ी,कड़ा, बहुंची, बनुरिया, पाली, कंगना, हरैया, ककनी, ऐंठी, तीन भंजन ऐंठी, पटा, ढरकौवा, पोड़ी ढरकौवा, तोड़या, पोटली, बहुंटा, नागमोरी, हाथचूरा, बाजूबंद, मुंदरी

नाक - नथ, नथनी, फुल्ली,

कान - खिनवा, ढार, तितरी, खूंटी, बारी, लुरकी, झुमका, तरकी, लटकन, कानफूल

कमर - करधन, कमरबंद

सिर माथा - बाल फुलझरिया, झाबुली, झाबा, क्लीप, मंगटीया, बिंदिया, टिकली

पुरुष मन घलो गहना पहिनथें । गला मं कंठी माला, बांह मं बाजूबंद, कलाई मं चांदी के मोटा कड़ा।

आदिवासी विवाह के दौरान डुमर का महत्व

श्रीमती आशा ध्रुव

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में खास कर प्रकृति पूजन को विशेष महत्व दिया जाता है। इसी संदर्भ में यही डुमर के पेड़ को देखें तो देव तुल्य पूजन कर उपयोग किया जाता है। आदिवासी डुमर पेड़ में दुल्हा और दुल्हिन देव का वास मानते हैं। यह आदिवासी कोयतुर समाज के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। कहा जाता है कि इस पेड़ में बूढ़ा देव और बूढ़ी माई का निवास होता है। वैवाहिक रस्म में इस पेड़ की डालियों का विशेष महत्व होता है। इसे समाज में आराध्य देव के रूप में जाना जाता है। डुमर की कच्ची लकड़ी से विवाह मंडप के लिए मगरोहन बनाया जाता है। हल्दी चढ़ाना और उतारना मगरोहन पर पहले किया जाता है। इसके बाद दुल्हा दुल्हन को लगाया जाता है। यह विवाह संस्कार का महत्वपूर्ण अंग होता है। इसके पत्तों से मंडप छाया जाता है। इस पेड़ की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि विपरीत परिस्थितियों में भी वर्ष भर हरा भरा रहता है। यह गृहस्थों के लिए वरदानी वृक्ष है।

तीतरदेव का ताम्र पत्र पर उल्लेखित लेख

ढालसिंह देवांगन

राजिम के तत्कालीन मालगुजार हनुमंतराव महाडिक को राजीव लोचन मंदिर के समीप खुदाई पर 1785 ई. लिखा ताम्र पत्र 5-6 फुट नीचे प्राप्त हुआ। 1825 में भी ताम्र पत्र प्राप्त हुए, जिसमें तीन पत्ते हैं। प्रत्येक पत्ते की लंबाई 9₹ तथा चौड़ाई 5₹ का है। तीनों पत्र एक राजमुद्रा युक्त छल्ले से नत्थी है। इस पत्र का वजन लगभग 22 किलो ग्राम है। प्रारंभिक श्लोक में ही राजा का नाम श्रीमतीवरदेव दिया हुआ है। इसके बाद की पंक्ति में श्रीपुर का नामोलेख है, जहां से ताम्र पत्र प्रसारित किया गया था। बाद में पन्द्रह पंक्तियों में तीवरदेव की राजनीतिक दृढ़ता, अनुलंघनीय शासन व्यवस्था तथा उसके व्यक्तिगत गुणों एवं योग्यताओं का अत्यंत आलंकारिक ढंग से वर्णन किया गया है। 16 वीं और 17 वीं पंक्ति में इनके पिता का नाम नंददेव एवं पितामह का नाम इंद्रबल लिखा हुआ है। 18 वीं पंक्ति में राजा को परम वैष्णव कहा गया है। इसके बाद की पंक्तियों में राजा के ब्राह्मण के दो पुत्रों भवदत्त और हरदत्त को माता पिता और स्वयं के पुण्यों की वृद्धि के लिए ग्राम के दान देने का उल्लेख मिलता है।

लोक चेतना के विकास में पंथी गीतों की भूमिका

डा. जे. आर. सोनी

लोक चेतना के विकास में लोक गीतों की अहम भूमिका रही है। पंथी गीत लोक गीत है तथा लोक चेतना के उन्नयन में इसकी उल्लेखनीय भूमिका रही है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण और संवर्धन में पंथी गीत नृत्य, एक विशिष्ट पहचान बनाई है। पंथी गीत नृत्य आज देश विदेश में प्रख्यात हो चुका है। पंथी गीतों में निहित सत्य सत्व का वर्तमान संदर्भ में बहुत अधिक महत्व है। सत्य ईश्वर है। कथन लौकिक जगत की अंधी आंखों से देखी गई मोहजनित कल्पनाओं को दूर करने की प्रेरणा देता है। सतनाम का जो स्वरूप पंथी गीतों में प्रतिपादित किया गया है, वह मानव प्रवृति को सत्य वचन, सत्य कर्म एवं सत्य जीवन की ओर उन्मुख होने का संदेश होता है। हमारी संस्कृति में नैतिक बल को अधिक शक्तिशाली माना गया है। भौतिक संसाधनों से लैस अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर करने गांधीजी ने सत्याग्रह में इन्हीं तत्वों को स्थान दिया था। इस आशय का संदेश पंथी गीतों में मिलता है। यह लोक चेतना की भावना को प्रबल बनाती है। पंथी गीतों में व्यक्त जाति संबंधी विचार प्रगतिशील विचारों के जन्म से पूर्व ही अस्तित्व में आ चुके थे। उनके वर्ग विहीन समाज की कल्पना साम्यवादी विचार का ही एक रूप है, जो लोकभावना की सहज समूल चेतना का प्रतिफल है। गीतों की समतावादी दृष्टि मनुष्य - मनुष्य को समान बतलाना चाहती है। पंथी गीतों से उत्पन्न लोक चेतना वर्ण और जाति व्यवस्था को नकारती है।

उपलब्धियों से भरा रहा ठाकुर उमराव सिंह का कार्यकाल

विजय शर्मा

धर्मपरायण व प्रजावत्सल ठाकुर उमराव सिंह 12 वर्ष की उम्र में सुअरमार की जमींदारी संभाली। आपका कार्यकाल 1821 से 1911तक रहा। अपने पिता की तरह उन्होंने वैज्ञानिक सोच के साथ दायित्वों का निर्वहन किया। अनेक मंदिर, ग्रन्थालय, अतिथि गृह का निर्माण आपके शासन काल में हुआ। तालाब निर्माण और मरम्मत का कार्य कर कृषि उत्पादन बढ़ाया गया। आपके कार्यकाल को स्वर्णिम काल के रूप में जाना जाता है। न्याय व्यवस्था भी काफी चुस्त आपके शासन में रही। ब्रिटिश शासन का संरक्षण आपको प्राप्त था। आपके कार्यकाल में हाथी का उपयोग होने लगा। जीवन के हर क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का अविष्कार भी

आपके कार्यकाल में देखा गया। आपको खास दरबारी एवं खास मुलाकाती हानरी मजिस्ट्रेट का सनद प्राप्त था। आपकी मृत्यु के बाद समाधि राजा बंधा (नीलकमल) पर बनी, जहां परंपरानुसार शिवलिंग स्थापित है।

ये है सेवा और समर्पण

जनसेवा और संवेदना का आदर्श बन गया हेल्थ कैंप

हेल्थ कैम्प 18 से 22 दिसंबर तक आयोजित है। यह शिविर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। आयोजकों के मुताबिक, ये देश का अब तक का सबसे बड़ा हेल्थ कैंप होगा। डेढ़ हजार से अधिक पैरा मेडिकल स्टाफ अपनी सर्विस दे रहे हैं। पांच दिवसीय इस विशाल स्वास्थ्य महाअभियान में देशभर के ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ डॉक्टर और छत्तीसगढ़ के प्रमुख अस्पताल निशुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। मेगा हेल्थ कैंप के लिए पंजीयन प्रक्रिया जारी है और अब तक 18 हजार से अधिक लोग रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। 500 से अधिक की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता इस शिविर में अपनी सर्विस दे रहे हैं।

- मेगा हेल्थ कैंप में अब तक 27 हजार मरीजों की जांच
- पहले दिन 9,246 मरीज तो दूसरे दिन 17,526 पहुंचे
- डेढ़ हजार से अधिक पैरा मेडिकल स्टाफ दे रहे सर्विस
- 500 से अधिक भाजपा कार्यकर्ता वालेंटियर्स सेवारत
- मरीजों-परिजनों के लिए फ्री फल, नाश्ता, पूरा भोजन

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर के आयुर्वेदिक कॉलेज परिसर में 18 से 22 दिसंबर तक चल रहे मेगा हेल्थ कैंप में दो दिनों में लगभग 27 हजार मरीज स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले चुके हैं। पहले दिन लगभग 9,246 मरीज और दूसरे दिन लगभग 17,526 मरीजों ने हेल्थ कैम्प का फायदा उठाया। रविवार को आयुर्वेद विभाग में 0 से 16 वर्ष तक के बच्चों के लिए स्वर्ण प्राशन संस्कार जारी है। दो दिनों के ट्रेंड की बात करें तो BP के लिए 5,300 लोग और शुगर के 4,337 लोग जांच कराने पहुंचे। जो कुल मरीजों का लगभग 55% प्रतिशत है। यानी हर दो में एक मरीज बीपी या शुगर का है।

यूं तो रसूख, रुआब और रुतबा कइयों के पास है। लेकिन इन क्षमताओं का पूरी परिपक्वता से सदुपयोग करने के लिए जिगरा भी चाहिए और नियत भी। बाईट कई वर्षों से अनवरत चल रही जनसेवा और संवेदना का आदर्श और असल नायक, सफल विधायक राजेश मूणत हैं। उनके इस मेगा हेल्थ कैंप की तुलना करें तो देश-राज्य के वो बड़े अस्पताल भी पानी भरते दिखेंगे। बेहतरीन सुविधाओं, आधुनिक संसाधनों, एक्सपर्ट डॉक्टरों और स्वस्फूर्त 1500 पैरा मेडिकल स्टाफ 500 से अधिक की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं का समर्पण और सेवाभाव एक शिविर में देखा जा सकता है। कामयाब मंत्री, युवा संबल और थके-हारों का सहारा कहलाने लगे हैं रायपुर पश्चिम के भाजपा विधायक राजेश मूणत। हालांकि मेगा हेल्थ कैंप का श्रेय भाजपा के कार्यकर्ता, छत्तीसगढ़ शासन, सभी सामाजिक संस्थाओं, सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ को देते हैं। इससे पहले इसी परिसर में आयोजित पांच विशाल हेल्थ कैंप वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुके हैं। उसी विश्वास और जनसहयोग के आधार पर इस वर्ष का मेगा हेल्थ कैंप और अधिक व्यापक, आधुनिक और सुविधायुक्त रूप में आयोजित किया जा रहा है।

सुबह से रजिस्ट्रेशन काउंटर्स में लगी लंबी भीड़

सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक पंजीयन काउंटरों, जांच कक्षों और परामर्श काउंटरों पर लंबी कतारें देखने को मिलीं। खास बात यह रही कि इलाज के साथ मरीजों और उनके परिजनों के लिए फल, नाश्ता और पूरा भोजन भी पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। रजिस्ट्रेशन के दौरान वॉलंटियर्स मरीजों की मदद करते दिखे।

रविवार सुबह तक इतने मरीज पहुंचे

जांच एवं डायग्नोस्टिक सर्विस
पैथोलॉजी – 941 ➲ 5.37%
सोनोग्राफी – 330 ➲ 1.88%
एक्स-रे – 277 ➲ 1.58%
ECG – 88 ➲ 0.50%
इको – 10 ➲ 0.06%

नेत्र, दंत और फिजियो
नेत्रम – 856 ➲ 4.88%
नेत्र रोग – 752 ➲ 4.29%
डेंटल – 450 ➲ 2.57%
फिजियोथेरेपी – 450 ➲ 2.57%
आंख + दांत + फिजियो = करीब 14.3%

चिकित्सा एवं सुपर स्पेशलिटी
मेडिसिन – 220 ➲ 1.25%
शिशु रोग – 202 ➲ 1.15%
हड्डी रोग – 200 ➲ 1.14%
पेट रोग – 150 ➲ 0.86%
न्यूरोलॉजी – 65 ➲ 0.37%
श्वसन रोग – 40 ➲ 0.23%
हृदय रोग – 25 ➲ 0.14%
सर्जरी – 50 ➲ 0.29%
सुपर स्पेशलिटी – 121 ➲ 0.69%

वैकल्पिक चिकित्सा सुविधा
आयुर्वेदिक – 709 ➲ 4.05%
होम्योपैथी – 600 ➲ 3.42%
एक्यूप्रेशर – 325 ➲ 1.85%
एक्यूपंक्चर – 82 ➲ 0.47%

शिविर में 55 विशेषज्ञ डॉक्टर सेवारत

शिविर में देश के 42 प्रतिष्ठित अस्पतालों के 55 विशेषज्ञ डॉक्टर सेवाएं दे रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और सिकंदराबाद से आए डॉक्टर गंभीर और जटिल बीमारियों की जांच और परामर्श कर रहे हैं। यहां MRI, CT स्कैन, एक्स-रे, सोनोग्राफी, ECG, इको, पैथोलॉजी जांच और दवाइयां पूरी तरह मुफ्त हैं।

AI से 2 मिनट में डेंटल रिपोर्ट, कैंसर जांच भी फ्री

दंत विभाग में AI आधारित डेंटल मशीन से जांच के महज 2 मिनट में मरीजों को वॉट्सऐप पर रिपोर्ट दी जा रही है। वहीं महिलाओं के लिए स्तन कैंसर की जांच मैमोग्राफी और थर्मल स्कैनिंग मशीन से की जा रही है। मुंह, गले और बच्चेदानी के कैंसर की भी निशुल्क स्क्रीनिंग हो रही है, जिसकी रिपोर्ट 5 से 10 मिनट में मिल रही है।

जयपुर फुट और कृत्रिम अंग बने उम्मीद की किरण

शिविर में दिव्यांगजनों के लिए जयपुर फुट और कृत्रिम हाथ-पैर लगाए जा रहे हैं। मौके पर ही नाप लेकर अस्थायी वर्कशॉप में इन्हें तैयार किया जा रहा है। साथ ही व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, बैसाखी और श्रवण यंत्र का भी निशुल्क वितरण किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27